हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 58 | देहरादून, मंगलवार, 20 अगस्त, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

मंत्री सौरभ बहुगुणा की सूझबूझ से खत्म हुआ आंदोलनकारियों का धरना 8

मुख्यमंत्री धामी ने देवीधुरा के बग्वाल मेले में की शिरकत, राज्य की खुशहाली के लिए की प्रार्थना

बग्वाल मेला हमारी लोक संस्कृति, आस्था और परंपराओं का संगम है : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रक्षाबंधन के अवसर पर चंपावत जिले के देवीधुरा स्थित मां वाराही धाम में लगने वाले बगवाल मेले में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने माँ वाराही मंदिर में घंटी चढ़ाई तथा राज्य की खुशहाली एवं तरक्की की कामना की। मुख्यमंत्री, मां वाराही धाम में चार खाम सात थोक के बीच फलों फूलों से खेले जाने वाले विश्व प्रसिद्ध पाषाण युद्ध के साक्षी बने। इस वर्ष पाषाण युद्ध करीब 11 मिनट तक चला।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि रीठा में रतिया नदी में बाढ़ सुरक्षा का निर्माण कार्य एवं वैकल्पिक एप्रोच रोड का निर्माण कार्य किया जायेगा एवं मानसखण्ड कॉरीडोर के अन्तर्गत वाराही मंदिर के छूटे हुये अवस्थापना कार्यों को सम्मिलित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलो का अवलोकन भी किया।

- विश्व प्रसिद्ध पाषाण युद्ध के साक्षी बने मुख्यमंत्री
- चार खाम सात थोक के बीच फलों फूलों से खेले जाने वाला पाषाण युद्ध 11 मिनट तक चला
- पीढ़ी दर पीढ़ी लोक संस्कृति और परम्पराओं को आगे बढ़ाना हम सभी का कर्तव्य है

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए सभी देवी-देवताओं को नमन किया। उन्होंने कहा देवीधुरा के ऐतिहासिक और रमणीक क्षेत्र में आकर स्वयं को अभिभूत महसूस कर रहा हूं। बग्वाल मेला हमारी लोक संस्कृति, आस्था और परंपराओं का संगम है। यह मेला हमारी संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ ही हमारी संस्कृति का भी संवर्धन करता है। उन्होंने कहा पुरानी परंपराओं को निभाने और आगे बढ़ाने की ऊर्जा आने वाली पीढ़ी को मिलते रहनी चाहिए। पीढ़ी दर पीढ़ी लोक संस्कृति को आगे बढ़ाना हम सभी का कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि देवभूमि के कण-कण में देवताओं का वास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ ही पौराणिक स्थलों का भी संवर्धन कर रही है। मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के पौराणिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। देवीधुरा भी इस मिशन का महत्वपूर्ण भाग है। उन्होंने कहा चार धामों के साथ ही मानसखंड में मंदिरो को भी रोपवे से जोड़ने का कार्य जारी है। माँ पूर्णागिरि धाम को रोप-वे से जोड़ा जा रहा है। मानसखंड यात्रा के तहत विशेष ट्रेन भी चलवाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में मंदिर के संवर्धन के साथ ही कृषि, दुग्ध उत्पादन, शिक्षा, बागवानी, जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। चंपावत महाविद्यालय को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कैंपस के रूप विकसित किया जा रहा है। चंपावत मुख्यालय में एआरटीओ का उप कार्यालय खोला गया है। चंपावत को आदर्श जिला बनाने के साथ ही उत्तराखंड को एक सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री जी द्वारा लोक कलाकार गिरीश बरगली द्वारा तैयार "जय मां वाराही" वीडियो को लांच किया।

इस अवसर पर श्री धामी द्वारा हेलीपेड के निकट जीआईसी परिसर देवीधुरा में पौधा रोपण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति राय, विधायक श्री खुशाल सिंह अधिकारी, विधायक राम सिंह कैड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री निर्मल महरा, पूर्व सांसद डॉ. महेंद्र सिंह पाल, उपाध्यक्ष सेतु श्री राजशेखर जोशी, बाराही मंदिर समिति संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगड़िया , अध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी नवनीत पांडे, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने का संकल्प लें देशवासी : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को बधाई संदेश दिया है। राखी के त्योहार पर दिए गए अपने इस महत्वपूर्ण संदेश में राष्ट्रपति ने महिलाओं की सुरक्षा और उनका सम्मान सुनिश्चित किए जाने की बात की है। अपना संदेश साझा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, रक्षा बंधन के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। भाई-बहन के बीच प्रेम और आपसी विश्वास की भावना पर आधारित यह त्योहार, सभी बहन-बेटियों के प्रति स्नेह और सम्मान की भावना का संचार करता है।

इसके आगे महिला सुरक्षा की बात करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, मैं चाहूंगी कि इस पर्व के दिन, सभी देशवासी, हमारे समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करने का संकल्प लें।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रक्षाबंधन के इस पावन त्यौहार पर लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि भाई-बहन के पवित्र बंधन का उत्सव एक ऐसा अवसर है जो एक-दूसरे का

समर्थन करने और उन्हें संजोने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पावन अवसर पर, आइए हम महिलाओं की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हों, एक ऐसा माहौल तैयार करें जहां वे आगे बढ़ सकें और अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पोस्ट में लिखा कि समस्त देशवासियों को रक्षाबंधन के त्यौहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। देश की सभी महिलाओं का मान-सम्मान बढ़े, यही कुदरत से कामना है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि भाई-बहन के अटूट प्रेम एवं स्नेह के पर्व, रक्षाबंधन की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। रक्षा का यह सूत्र आपके इस पावन रिश्ते को सदैव मजबूती के साथ जोड़े रहें। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भाई के साथ तस्वीर साझा कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। भाई-बहन का रिश्ता उस फुलवारी की तरह होता है जिसमें सम्मान, प्रेम और आपसी समझदारी की बुनियाद पर अलग-अलग रंगों वाली यादें, संग के किस्से-कहानियां व दोस्ती को और गहरा करने का संकल्प फलता-फूलता है।

वहीं रक्षाबंधन के अवसर पर कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन के पावन पर्व की सभी को बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। भाई और बहन के बीच स्नेह और अटूट बंधन के प्रतीक इस पर्व को रक्षा और सुरक्षा के भाव से भी जोड़ कर देखा जाता है। ईश्वर से कामना है कि यह पर्व आपके परिवार के साथ-साथ देश और समाज के लिए भी और अधिक मंगलकारी सिद्ध हो।

52 दिनों से चल रही अमरनाथ यात्रा आज होगी संपन्न, करीब पांच लाख लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर, एजेंसी। पिछले 52 दिनों से चल रही अमरनाथ यात्रा आज संपन्न हो जाएगी। अब तक लगभग पांच लाख यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। महंत स्वामी दीपेंद्र गिरि द्वारा ले जाई गई छड़ी मुबारक (भगवान शिव की चांदी से बनी गदा) ने सोमवार सुबह पंचतरणी से पवित्र गुफा तक अपनी यात्रा का अंतिम चरण शुरू किया। इस वर्ष यह यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 52 दिनों के बाद आज (सोमवार) समाप्त होगी।

जम्मू से लेकर बालटाल और नून (पहलगाम) के दो बेस कैंपों तक यात्रा मार्ग पर पुलिस और सीएपीएफ की उपस्थिति, ट्रांजिट कैंपों में तैनात सुरक्षा के साथ स्थानीय लोगों के पूर्ण सहयोग से इस वर्ष यात्रा काफी सफल रही। भगवान शिव की स्तुति में 'बम बम भोले' और वैदिक मंत्रों का जाप करते साधुओं और भक्तों के साथ छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा अंतिम पड़ाव शिविर पंचतरणी से शुरू हुई, जो कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर की ओर है।

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है। यात्रा रक्षाबंधन के त्योहार के साथ 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर संपन्न हो रही है।

पारंपरिक पूजा और अनुष्ठानों के बीच, विश्व शांति और मानव जाति की समृद्धि के लिए दिन भर प्रार्थना की जाएगी, जिसके बाद छड़ी मुबारक पहलगाम के रास्ते पंचतरणी लौट आएगी। छड़ी मुबारक ने 14 अगस्त को श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा मंदिर से प्रस्थान किया था। रास्ते में विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद यह 16 अगस्त को गुफा मंदिर की अपनी आगे की यात्रा शुरू करने से पहले दो रातों के लिए पहलगाम में रुकी।

इंडिया कोस्ट गार्ड में नौकरी कैसे मिलती है, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्त : भारत की समुद्री सीमाओं की निगरानी करने वाले तटरक्षक बल में 10वीं पास वालों को सरकारी नौकरी मिलती है. शांति काल में देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा करने वाला भारतीय तटरक्षक बल यानी इंडियन कोस्ट गार्ड (Indian Coast Guard) हर साल नाविक और असिस्टेंट कमांडेंट जैसे पदों पर भर्तियां निकालता है. इसके अलावा कमांडेंट, असिस्टेंट कमांडेंट और इंजीनियर जैसे तमाम पदों पर भी सरकारी भर्ती निकलती है.तटरक्षक बल में सेलर यानी नाविक की एंट्री 3 तरह से होती है- यांत्रिक, नाविक जीडी और नाविक डोमेस्टिक ब्रांच. इन सभी के लिए उम्र सीमा तय की गई है. योग्य उम्मीदवारों की उम्र 18 से 22 साल के बीच होनी चाहिए. हालांकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को इसमें 3 से 5 साल की छूट मिलती है. शैक्षिक योग्यता की बात करें तो नाविक यांत्रिक पद के लिए 10वीं पास होने के साथ मैकेनिकल/ इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलिकम्युनिकेशन

(रेडियो/पावर) में 3 साल का डिप्लोमा किया होना चाहिए.

Indian Coast Guard Jobs: 10वीं पास वाले भी कर सकते हैं आवेदननाविक डीबी पद के लिए उम्मीदवारों का सिर्फ 10वीं बोर्ड परीक्षा में पास होना काफी है. लेकिन नाविक जीडी पदों के लिए अलग योग्यता निर्धारित की गई है. उनके लिए फिजिक्स और मैथमेटिक्स विषय के साथ 12वीं बोर्ड परीक्षा में पास होना अनिवार्य किया गया है. योग्यता संबंधी ज्यादा डिटेल्स चेक करने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट https://joinindiancoastguard.gov.in/sailorentry.html पर जॉब नोटिफिकेशन, सैलरी आदि चेक कर सकते हैं.

भारतीय तटरक्षक में सबसे बड़ी पोस्ट डायरेक्टर जनरल की होती है. इंडियन कोस्ट गार्ड के डायरेक्टर जनरल राकेश पाल की हाल ही में हार्ट अटैक से मौत हुई है (ICG DG Death). वह 25वें महानिदेशक थे. बता दें कि तटरक्षक बल के डायरेक्टर जनरल 3 स्टार रैंक के ऑफिसर होते हैं. यह पद भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल, थल सेना के लेफ्टिनेंट जनरल और एयरफोर्स के एयर मार्शल रैंक के बराबर होता है. तटरक्षक बल के डायरेक्टर जनरल की बेसिक सैलरी 2 लाख 5 हजार रुपये (पे लेवल-16) महीने होती है.

भारतीय तटरक्षक बल के सबसे बड़े अफसर डायरेक्टर जनरल दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय (CGHQ) से सभी कमांड्स के काम पर नजर रखते हैं. मुख्यालय में इंस्पेक्टर जनरल रैंक के 4 डिप्टी डायरेक्टर जनरल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके सहयोगी होते हैं. तटरक्षक बल के डायरेक्टर जनरल को रहने के लिए सरकारी आवास, सरकारी वाहन, सिक्योरिटी, मेडिकल फैसिलिटी और एक सहायक सहित कई सुविधाएं मिलती हैं.

IAS Story : दो गधों को लेकर घूमने वाले पूर्व आईएएस कौन हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्त :देश की कठिन परीक्षाओं में से एक संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास करने वाले बमुश्किल आईएएस बनते हैं. कई बार आईएएस अधिकारी अपने कामों को लेकर चर्चा में आ जाते हैं. इस बार एक पूर्व आईएएस अधिकारी काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं. यह अधिकारी अपने किसी काम को लेकर नहीं, बल्कि दो गधों को लेकर घूमने के कारण चर्चा में हैं. आइए जानते हैं कौन हैं ये अधिकारी .

दो गधों को लेकर सडक पर घूमाने वाले इस अधिकारी का नाम है प्रवीण कुमार. किसी समय में आईएएस अधिकारी रहे प्रवीण कुमार इनदिनों हरियाणा के फरीदाबाद में दो गधों को लेकर घूम रहे हैं, जो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय है. प्रवीण कुमार हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं. अब वह रिटायर्ड हो चुके हैं. यही नहीं जिस फरीदाबाद में वह दो गधों के साथ घूम रहे हैं, उसी फरीदाबाद के वह डीसी भी रहे हैं. प्रवीण कुमार 2001 बैच के आईएएस अधिकारी रहे. कई पदों पर रहने के बाद वह रिटायर हो चुके हैं.

हरियाणा के पूर्व आईएएस प्रवीण कुमार फरीदाबाद की बड़खल विधानसभा में दो गधों के साथ घूम रहे हैं. जिसके बाद उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं. इसके पीछे प्रवीण कुमार ने जो तर्क दिया उसके मुताबिक वह इन गधों के माध्यम से लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि लोग अपनी मानसिकता को ठीक करें. उनका मानना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने अचार विचारों पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं.

2001 बैच के आईएएस अधिकारी प्रवीण कुमार जब प्रशासनिक सेवा में थे. तब भी वह अपने कई अनोखे अंदाज के लिए जाने जाते थे. उनका अनोखा अंदाज हमेशा चर्चा में रहता था. अब रिटायरमेंट के बाद उन्होंने एक बार फिर सुर्खियां बटोरनीं शुरू कर दी है. अब वह लोगों को जागरूक करने के लिए गधों के साथ सड़कों पर उतरे हैं. बड़खल विधानसभा की गलियों में गधों को घूमा रहे हैं.

भारत की आजादी में महिलाओं ने काफी अहम रोल निभाया

वंदना सिंह

भारत वर्ष एक सम्पन्न परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों से समृद्ध देश है, जहां महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है।आजादी के बाद महिलाओं का समाज में सम्मान बढ़ा, लेकिन उनके सशक्तिकरण की गति दशकों तक धीमी रही। गरीबी और निरक्षरता महिलाओं की प्रगति में गंभीर बाधा रही हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय की ओर प्रोत्साहित कर इन्हे आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। विशेषकर कृषि प्रसंस्करण उद्योगों, बैंकिंग सेवाओं और डिजिटलीकरण की सहायता से महिलाओं के सामाजिक और वित्तीय सशक्तिकरण की शुरुआत की जा सकती है।भारतीय महिलाएं ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। पृथ्वी को मानवता के लिए स्वर्ग समान जगह बनाने के लिए भारत सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ चला है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण करना सतत विकास लक्ष्यों में एक प्रमुखता है। वर्तमान में प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है।

देश की आजादी में महिलाओं ने भी काफी अहम रोल निभाया था। जहां महात्मा गांधी जवाहरलाल नेहरू और लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का नाम लिया जाता है वैसे ही रानी लक्ष्मीबाई सरोजिनी नायडू और बेगम हजरत महल को अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करने के लिए याद किया जाता है। समाज के रूढ़िवादी सोच के बीच भी इन महिलाओं ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम लिख लिया है।

हालांकि, उस समय मैदान में आकर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ना महिलाओं के लिए आसान नहीं था, क्योंकि इसके लिए उन्हें कई सामाजिक बेड़ियों को भी तोड़ना पड़ा था। कुछ महिलाओं को अपने समाज से बहिष्कृत तक होना पड़ा था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी थी और आखिर तक लड़ी थी।भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान ऐतिहासिक असमानताओं और भेदभाव को संबोधित करने और सुधारने के लिए स्थापित किए गए हैं जिनका सामना महिलाओं ने किया है। ये उपाय न्यायपूर्ण, समतामूलक समाज की नींव में महिलाओं की आवश्यक भूमिका को स्वीकार करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखते हैं।संविधान में महिलाओं के लिए अधिकारों और सुरक्षा को शामिल करके, भारत एक ऐसा कानूनी और सामाजिक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। यह प्रतिबद्धता न केवल निष्पक्षता के बारे में है, बल्कि समाज के विकास में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले विविध योगदान को मान्यता देने के बारे में भी है।इन प्रावधानों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों की गारंटी देना तथा उन्हें सम्मान और समानता के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाना है, जिससे राष्ट्र की प्रगति बढ़ेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखा जा सकेगा।भारत में महिलाओं के अधिकारों की आधारशिला संविधान में निहित मौलिक अधिकारों में पाई जा सकती है। ये अधिकार लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और भेदभाव और अन्याय के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए आधारशिला के रूप में काम करते हैं।

अनुच्छेद 14: समानता का अधिकार,अनुच्छेद 15(1) और अनुच्छेद 15(3): भेदभाव का निषेध और विशेष प्रावधान,अनुच्छेद 16: सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता,अनुच्छेद 39(ए), अनुच्छेद 39(डी) और अनुच्छेद 39ए: आर्थिक न्याय और कानूनी सहायता सुनिश्चित करना,अनुच्छेद 42 और मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961,संविधान का अनुच्छेद 51ए(ई) प्रत्येक नागरिक के नैतिक दायित्वों को रेखांकित करता है कि वह महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करे। अनुच्छेद 243-डी(3), 243-डी(4), 243-टी(3) और 243-टी(4): स्थानीय निकायों में आरक्षण आदि।भारत में महिलाओं के लिए संवैधानिक प्रावधान लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मौलिक अधिकारों की गारंटी देकर, आर्थिक न्याय को बढ़ावा देकर और स्थानीय शासन में भागीदारी सुनिश्चित करके, संविधान महिलाओं के अधिकारों और हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करता है।इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि आज के समय में महिलाएँ घर की चारदीवारी से निकलकर सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं, और न केवल संभाल रही हैं बल्कि कुशल संचालन कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ममता बनर्जी, प्रियंका गाँधी, स्मृति ईरानी, मेनका गाँधी, मायावती को देखा जा सकता है। लेकिन देश में महिलाओं की आबादी के अनुसार देखें तो राजनीति में महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। इसके अलावा, ग्रामीण अंचलों में पंचायत स्तर पर अधिकांश महिलाओं को केवल मुखौटे की तरह इस्तेमाल किया जाता है यानी चुनाव तो महिला जीतती है लेकिन सत्ता से संबंधित सभी निर्णय उसके परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं।

वहीं, न्यायालय में भी महिलाओं की संख्या संतोषजनक नहीं है।

धरती के इस छोर से उस छोर तक
मुट्ठी भर सवाल लिये मैं
छोड़ती-हाँफती-भागती
तलाश रही हूँ सदियों से निरंतर
अपनी ज़मीन, अपना घर
अपने होने का अर्थ !

भारतीय समाज की नारी की स्थिति को बखूबी बयां करती निर्मला पुतुल की ये पंक्तियाँ पूरे समाज की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती हैं।भले ही आज हम यह कहकर अपनी पीठ थपथपा लें कि आजादी के 78 सालों में हमारी महिलाएँ चाँद पर पहुँच गई हैं, फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, ओलंपिक में पदक जीत रही हैं, बड़ी-बड़ी कंपनियाँ चला रही हैं या राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर संभाल रही हैं, लेकिन व्यावहारिक तौर पर देखें तो यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंशमात्र ही है।भारत में आज भी बहुत सी लड़कियाँ ऐसी हैं, जो शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं।भारत के रसोइघरों से महिलाओं की सामाजिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। आज भी घर की बेटी, बहू, माँ व पत्नी चाहे कितनी भी पढ़ी-लिखी क्यों न हो; कितने ही बड़े पद पर काम क्यों न कर रही हो; घर के सभी सदस्यों के लिये खाना पकाने और परोसने की उम्मीद सिर्फ महिला सदस्य से ही की जाती है। आज भी महिलाओं की अधिकांश समस्याओं का कारण आर्थिक रूप से परनिर्भरता है।महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा जिसमें शारिरिक,मानसिक हिंसा समानता, विकास, शांति के साथ-साथ महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों की पूर्ति में एक बाधा बनी हुई है।आज़ादी के बाद से अब तक भारत में महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में एक लंबा रास्ता तय किया है, परंतु अभी भी मंजिल से मीलों दूर हैं। तेजी से भागते समय के इस पहिये के साथ हमें भी अपनी रफ्तार तेज करनी होगी।

लेखक : वंदना सिंह, जी मीडिया ग्रुप में कार्यरत है ये उनके निजी विचार है!

शाबाश दून पुलिस ! चंद घंटे में लापता बिटिया को खोज निकाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 अगस्त , रविवार शाम एक घटना और उसके बेहद कम समय में कामयाबी से एक बार फिर उत्तराखंड पुलिस को प्रशंसा मिली है। आपको बता दें की ये मामला रक्षा बंधन के दिन रविवार का है जब 17.30 बजे एम्स पुलिस चौकी मे फरियादी गोविंद कुमार पुत्र स्व० दीपचंद निवासी 436 आवास विकास ऋषिकेश ने सूचना दी की उनकी नाबालिग पुत्री सायं 16.00 बजे अपने घर से गुरु रामराय पब्लिक स्कूल के पास ट्यूशन पढ़ने गई थी जो अभी तक घर वापस नही आयी है। ये सुचना उच्च अधिकारी गणों को देकर कंट्रोल के माध्यम से जनपद के समस्त थानो को सूचना दी गयी। नाबालिक के गुमशुदा होने की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी एम्स द्वारा तत्काल दो अलग-अलग टीम गठित कर सीसीटीवी कैमरे देखने के लिए टीम बनाई गयी।

गुरु रामराय स्कूल से भरत विहार, काले की ढाल, सिटी गेट आई.डी.पी.एल. और कैनाल गेट तक सीसीटीवी कैमरे में देखकर कैमरे के माध्यम से उसका पीछा किया गया और लापता बालिका कैनाल गेट के पास से सकुशल बरामद हो गई। इस सफल खोजबीन के बाद मिली बालिका को उसके परिजनों के सकुशल सौंपा गया वहीँ अपनी बिटिया को इतने कम समय में ही सामने देखकर उसके परिजनों ने पुलिस चौकी एम्स एवं ऋषिकेश पुलिस का धन्यवाद किया। आपको बता दें कि शानदार सफलता पाने वाली इस टीम में चिंतामणि मैठाणी , (चौकी प्रभारी ,एम्स) , हे०का० सुनील कुमारका० कुलदीप चौधरी शामिल थे।

एसएसबी जवानों पर वाहन चालकों से मारपीट का आरोप

चम्पावत। देवभूमि वाहन संचालन समिति के सदस्यों ने थाने में ज्ञापन देकर एसएसबी के जवानों पर टैक्सी ड्राइवरों के साथ मारपीट गाली-गलौज का आरोप लगाते हुए ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में उन्होंने चालक शंकर मौर्या और भूरा खान के साथ एसएसबी के जवानों ने मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाया है। देवभूमि वाहन संचालन समिति के अध्यक्ष रफी अंसारी ने बताया कि एसएसबी चैकपोस्ट पर चेकिंग के दौरान जवानों की ओर से टैक्सी चालकों के साथ बदसलूकी और मारपीट की जा रही है। इसके कारण चालकों में भय का माहौल है। उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा की एसएसबी की ओर से टैक्सी स्वामी और चालकों के साथ बदतमीजी और मारपीट की घटनाएं हो रही है। इसके विरोध में थाने में एसएसबी के जवानों के विरुद्ध ज्ञापन दिया गया है, अगर कार्यवाही नहीं होती है तो सभी लोग धरने पर बैठेंगे। वहीं थानाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह जगवाण ने बताया कि वह बग्वाल मेला देवीधुरा में है, आने पर ही मामले की जांच की जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग से बोल्डर और मलबा हटाने के निर्देश

चम्पावत। डीएम नवनीत पांडे ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता को एनएच में संवेदनशील स्थानों से बोल्डर हटाने और मलबा साफ करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से एक दिन पूर्व अमोड़ी क्षेत्र में आगमन दौरान टनकपुर से अमोड़ी तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा की गई थी। इस दौरान उन्होंने हाईवे पर सब जगह मलबा, बोल्डर पड़े होने पर गहरी नाराजगी व्यक्ति की गई थी। कहा था कि सात एवं आठ जुलाई को क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्ग में हुई क्षति को अभी तक दुरुस्त नहीं किया गया है। जबकि अतिवृष्टि को हुए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है। राष्ट्रीय मार्ग में जहां एक ओर जगह-जगह पर मलबा एवं बोल्डर पड़े हैं, वहीं कई जगह पर कटाव होने से सुरक्षा दीवारों पर छेद हो गए हैं। इसका तत्काल उपचार नहीं किए जाने पर जहां एक ओर आवागमन असुरक्षित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर अवशेष वर्षा काल में सड़कों के और अधिक क्षतिग्रस्त होने की संभावना है। डीएम ने मुख्यमंत्री की ओर से दिए गए निर्देशों के तहत राजमार्ग के अंतर्गत सभी स्थानों से बोल्डर और मलबा हटाए जाने की कार्रवाई करने तथा जिन-जिन स्थानों पर भू कटाव, सड़क कटाव आदि हो रहा है, वहां पर तत्काल उपचारात्मक कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया हैं।

चम्पावत कैंपस में शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक का पद सृजित करें

चम्पावत। जिला मुख्यालय के सोबन सिंह जीना महाविद्यालय कैंपस में शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक का पद सृजित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा गया। भाजपा मीडिया सह प्रभारी सूरज प्रहरी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में चम्पावत कैंपस में शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक का पद सृजित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा धूरा मंडल के अनुसूचित बाहुल्य क्षेत्र गैरलेख-कऊलानी तोक के बीचों बीच में बारात घर की स्थापना किए जाने, सुखीढांग-रीठा मोटर मार्ग में स्वरोजगार के लिए अनुसूचित जाति के लोगों को दुकानों का निर्माण करने आदि की अनुमति दिए जाने की मांग उठाई गई। जिस पर मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही कार्यवाही का आश्वासन दिया।

महिलाओं ने पुलिस कर्मियों को बांधी राखी

बागेश्वर। एकल शिक्षा अभियान संगठन, बागेश्वर की महिलाओं ने कोतवाली में पहुंचकर कोतवाल कैलाश सिंह नेगी और समस्त पुलिस स्टॉफ की कलाई में राखी बांधी। उनके प्रति सम्मान और सुरक्षा के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उनकी दीर्घायु की कामना की। यह पहल सामाजिक सौहार्द और पुलिस-समुदाय के बीच अच्छे रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोतवाल ने इस पहल को सराहा। भविष्य में किसी भी प्रकार की सहायता अथवा सहयोग के लिए उनसे संपर्क करने को कहा। जनपद पुलिस उनकी सहायतार्थ हर कदम पर हमेशा उनकी सुरक्षा और समाज के हित में तत्पर रहेगी।

कांग्रेस जिला महामंत्री ने एक घंटे का मौन उपवास रखा

बागेश्वर। कांग्रेस के जिला महामंत्री संगठन कवि जोशी ने एक घंटे का मौन उपवास रखा। कहा कि पूरे देश में मातृशक्ति तथा बहनों के साथ हो रहे मारपीट, दुराचार, हत्या, जघन्य अपराधों, बदहाल कानून व्यवस्था के विरोध में यह उपवास था। उन्होंने कहा कि आज भाई-बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार है । लेकिन आज भी देश की माताएं और बहनें सुरक्षित नही हैं। गांधी पार्क पर उपवास के दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के बाद भी अगर सरकार जाग गई होती, तो पुनः राज्य की बेटी नर्स और देहरादून बस डिपो में 16 साल की नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप जैसा जघन्य अपराध नहीं होता। जिस प्रकार मुख्यमंत्री ने पूरे देश में सबसे पहले सिविल कोड लागू कर मिसाल पेश की, उसी प्रकार राज्य में सबसे पहले महिला सशक्तिकरण बिल लागू करें। मातृशक्ति को सुरक्षित करने की मिसाल पूरे देश को दें। ऐसे अपराधियों को दंड देने के लिए अलग से फॉस्ट-ट्रेक कोट बनाएं। देश की सम्पूर्ण मातृशक्ति से निवेदन है कि रक्षाबंधन के शुभ दिन सभी अपने-अपने भाइयों से देश की सभी बहनों की रक्षा का वचन उपहार के रूप में लें। तभी देश में हमारी माताएं और बहनें सुरक्षित रह सकतीं हैं। यहां सुनील पांडेय नगर अध्यक्ष, ईश्वर पांडेय प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस, गोकुल परिहार जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस, भीम कुमार प्रदेश प्रवक्ता युवा कांग्रेस, कुन्दन गोस्वामी ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव, प्रकाश वाचमी प्रदेश सचिव एनएसयूआइ, राहुल कुमार अध्यक्ष छात्र संघ, पंकु कुमार पूर्व विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, दिव्यांशु पिंडारी, देवेंद्र बघरी आदि रहे।

वन विभाग ने बैजनाथ झील में चलाया सफाई अभियान

बागेश्वर। वन विभाग बैजनाथ झील के किनारे वृहद सफाई अभियान चलाया। इस मौके पर लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। बैजनाथ के वन क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में वन विभाग ने बैजनाथ झील के किनारे, बैजनाथ धाम व घाट पर सफाई अभियान चलाया और कूड़ा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया। इस मौके पर सिंह ने कहा कि दैनिक जीवन में सफाई का विशेष महत्त्व है। कूड़ा इधर-उधर नहीं फैलाना चाहिए। बरसात में कूड़े के सड़ने से कई प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। उन्होंने लोगों से बैजनाथ मंदिर, झील व अपने आसपास की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। इस दौरान उपरजिक अधिकारी ईश्वरी दत्त कांडपाल, वन दरोगा हरीश चंद्र पांडे आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

पौड़ी। सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर लंबी आयु की कामना मांगी। रक्षाबंधन पर्व पर बाजारों में भी रौनक रही। शहर में मिठाई और राखी की दुकानों में राखी लेने के लिए सुबह लोगों की भीड़ भी दिखाई दी। जिले के सतपुली, धुमाकोट, नैनीडांडा, एकेश्वर, चौबटाखाल के साथ ही राठ क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

डीएम ने वीरांगनाओं के साथ मनाया रक्षाबंधन

पौड़ी। जिलाधिकारी गढ़वाल डा. आशीष चौहान ने सोमवार को पौड़ी के भिताई गांव पहुंचकर शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं के साथ रक्षाबंधन मनाया। भिताई गांव के पंचायत भवन में जिला सैनिक कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र की सात वीरांगनाओ ने डीएम को रक्षासूत्र बांधकर उनके लिए स्वास्थ्य जीवन की कामना की। डीएम ने वीरांगना बहनों को शगुन स्वरूप उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन पर आयोजित कार्यक्रम में वीरांगनाओं ने शहीदों के सम्मान को लेकर कहा कि देश की सरहदों की सुरक्षा में अपना सर्वत्र न्योछावर करने वाले गढ़वाल क्षेत्र के वीर शहीदों के सम्मान में इंडिया गेट जैसी संरचना का निर्माण समय की दरकार है। उन्होंने कहा की देश की सुरक्षा में गढ़वाल का योगदान व शहादत के किस्सों से इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं। कहा कि ऐसा स्मारक ही एक भाई की तरफ से वीरांगनाओं को शगुन व आशीर्वाद होगा। डीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा में उत्तराखण्ड का योगदान ऐतिहासिक है। विशेषकर गढ़वाल क्षेत्र में युवाओं का देशसेवा में बढ़चढ़कर योगदान करना देशप्रेम का उत्तम उदाहरण है। कहा कि देश की सुरक्षा के दौरान शहीद होने वाले गढ़वाल क्षेत्र के वीर पुरुषों के सम्मान में इण्डिया गेट की तर्ज पर एक विशाल व भव्य शहीद स्मारक को प्रस्तावित करना सम्मान व सौभाग्य की बात होगी। कहा कि शहीदों के सम्मान में इंडिया गेट जैसी संरचना के निर्माण के लिए इससे जुड़े सभी पहलुओं पर विचारोपरांत प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करन रावत, ग्राम प्रधान भिताई मल्ली ऊषा देवी, राजस्व उपनिरीक्षक कुलदीप रावत, मनोज पटवाल, वीरांगना पार्वती देवी, सुशीला देवी, कांती, लक्ष्मी, विमला, शीरा देवी, भगना देवी आदि शामिल रहे।

कांग्रेस ने की स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग

पौड़ी। कांग्रेस के प्रदेश सचिव दीपक असवाल ने कफोलस्यूं और असवालस्यूं पट्टी के हर ग्राम सभा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को ज्ञापन भेजकर जल्द ही स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने की मांग उठाई है।सीएमओ को भेजे गए ज्ञापन में दीपक असवाल ने कहा कि इन दिनों बरसाती सीजन में कफोलस्यूं व असवालस्यूं के कई गांवों में जुकाम, बुखार के मामले सामने आ रहे हैं। कहा कि कई ग्रामीण जिला अस्पताल आने में असमर्थ है। उन्होंने कफोलस्यूं और असवालस्यूं की हर ग्रामसभा और स्कूल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की मांग उठाई है।

रक्षाबंधन पर बच्चों का किया यज्ञोपवीत

पौड़ी। सोमवार को रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस पर बिग्रेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय में बच्चों का यज्ञोपवीत हुआ। जिसमें 38 छात्रों ने इस वर्ष गुरुदीक्षा ली। सोमवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अनसुया प्रसाद सुंद्रियाल ने कहा कि संस्कार हमारी पहचान है, इसके बाद अब ये छात्र वेदाध्ययन कर सकेंगे। वरिष्ठ अध्यापक नवीन जुयाल ने बताया कि इन बच्चों के लिए शिक्षक बहुत परिश्रम करते हैं जिसका परिणाम बोर्ड परीक्षा में हर वर्ष देखने को मिलता है। प्रबंधक राजेंद्र जुयाल ने पूरी टीम व छात्रों की प्रशंसा की। इससे पूर्व स्कूल में रविवार को छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हर वर्ष सी भांति इस वर्ष भी भव्य अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में करीब 200 अभिभावकों ने हिस्सा लिया। सभी ने स्कूल की प्रगति पर खुशी जताई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आचार्य नवीन ने छात्रों के भविष्य निर्माण में अभिभावको से सहयोग करने के लिए कहा। कहा कि वैदिक सनातन धर्म में पूर्व से ही संस्कारों का अद्वितीय महत्व रहा है। इसी को लेकर रक्षावंधन पर बच्चों का यज्ञोपवीत किया गया है। इस मौके पर आचार्य आशीष, कमलदीप आदि शामिल रहे।

जीआईसी नंदासैंण में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

चमोली। अटल उत्कृष्ट जीआईसी नंदासैंण में अभिभावक अध्यापक संघ ने रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती करने की मांग उठाई है। संघ के अध्यक्ष अर्जुन भंडारी, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष बीरेंद्र रावत, प्रधान ताजवर भंडारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य हरेंद्र चौधरी, सुमन देवी, सरिता कुंवर, कुलदीप सिंह, आशा भंडारी, बीरेंद्र नेगी, चंपादेवी व दिनेश कुमार ने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में कहा गया कि विद्यालय में गणित, भौतिक विज्ञान व भूगोल में प्रवक्ता और अंग्रेजी में सहायक अध्यापक के पद रिक्त हैं। जिससे विद्यालय का शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। विद्यालय में 15 से अधिक गांवों के 232 छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं और परीक्षाओं के भी कुछ ही महीने शेष रह गए हैं।

टोंस चेतावनी निशान से 90 सेमी ऊपर बही

विकासनगर। यमुना और टोंस के ऊपरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से दोनों नदियों के जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है। सोमवार को टोंस चेतावनी के निशान से 90 सेमी ऊपर बह रही थी। हालांकि इच्छाड़ी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, बावजूद इसके प्रशासन ने एहतियात के तौर पर तटवर्ती क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया हुआ है। जबकि यमुना भी खतरे के निशान के करीब बही। सोमवार शाम को टोंस का जल स्तर 644.50 मीटर रहा जो चेतावनी बिंदु 643.60 मीटर के 90 सेमी अधिक है। दोपहर तक टोंस का जल स्तर 643.35 मीटर था, जो दोपहर बाद धीरे धीरे बढ़कर 644.50 मीटर पर पहुंच गया, जो खतरे के निशान 644.75 मीटर से मात्र 25 सेमी कम है। टोंस का जलस्तर बढ़ने पर कालसी थाना पुलिस की ओर से तटीय क्षेत्रों में मुनादी कराई गई। जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से नदी किनारे रहने वाले लोगों और मछली, लकड़ी पकड़ने के लिए तटों पर जाने वाले ग्रामीणों को सावधान किया गया। एसडीएम कालसी योगेश मेहरा ने बताया कि टोंस का जल स्तर बढ़ना बरसात की सामान्य प्रक्रिया है। इच्छाड़ी बांध से धीरे-धीरे पानी को छोड़ा जा रहा है। वहीं सोमवार को यमुना 454.91 मीटर पर बही, जो खतरे के निशान 455.37 मीटर से 36 सेमी कम है। ऊपरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना के जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिससे प्रशासन अलर्ट मोड पर है। विकासनगर के एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि डाकपत्थर बैराज से डाउन स्ट्रीम में भीमावाला, ढकरानी, कुंजा, कुल्हाल तक तटवर्ती क्षेत्रों में लोगों का सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही नदी का जल स्तर बढ़ने की सूचना उत्तर प्रदेश के खारा पावर हाउस और हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज प्रबंधन को भी दी जा रही है।

पिथौरागढ : देश के टॉप-100 विश्वविद्यालयों में शामिल पंत विवि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 अगस्त : जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने वर्ष 2023-24 की एनआईआरएफ रैंकिंग में ऊंची छलांग लगाते हुए देश के सौ सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाया है। इतना ही नहीं देश के कृषि श्रेणी के विश्वविद्यालयों में अपने पूर्व के आठवें स्थान को भी बरकरार रखने में सफलता हासिल की है।नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने देश के लगभग 1200 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग जारी की है। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने देश के विश्वविद्यालयों की ओवरऑल रैंकिंग में 88वां स्थान पाया है। बता दें कि पंत विवि पिछले लगभग एक दशक से टॉप-100 में जगह नहीं बना पा रहा था।

देश में राज्य सरकार के अधीन विश्वविद्यालयों की श्रेणी में पंत विवि ने 38वां स्थान हासिल किया है। इसके अलावा देश में कृषि श्रेणी के विश्वविद्यालयों में पंत विवि ने अपना पूर्व का आठवां स्थान बरकरार रखा है। विवि की इस उपलब्धि पर कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चैहान, कुलसचिव डॉ. दीपा विनय, निदेशक शोध व अन्य अधिकारियों ने सभी वैज्ञानिकों, कर्मियों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए रैंकिंग को और अधिक बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयास की जरूरत बताई है।

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में एक है। यहां के वैज्ञानिक और छात्र इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। वैज्ञानिकों और छात्रों के सहयोग से प्रकाशित शोध पत्रों का देश के अन्य विश्वविद्यालयों से तुलना में सर्वश्रेष्ठ होने के कारण पंतनगर विवि देश के टॉप-10 विश्वविद्यालयों में शुमार होता है।

घर पर इन कामों में यूज किया जा सकता है AC से टपकने वाला पानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्त : एसी का इस्तेमाल अब कई घरों में होने लगा है. एसी की हवा लू वाले मौसम से लेकर बरसात के सीजन में भी खूब अच्छी लगती है. खासतौर पर उमस वाले बारिश के मौसम में एसी से बहुत राहत रहती है, क्योंकि एसी कमरे की हवा की सारी नमी सोख लेती है और इस तरह रूम की सारी चिपचिपाहट गायब हो जाती है. एसी जब हमरे की हवा को सोखता है तो वह पानी बनकर आउटर पाइप के जरिए कंडेंसेट पानी बनकर निकलता है. जिनके घर में एसी है उन्होंने गौर किया होगा कि बरसात के मौसम में एसी से ज्यादा पानी टपकता है.

वजह साफ है कि बरसात में नमी ज्यादा होती है, इसलिए एसी ज्यादा पानी सोखता है. ज्यादातर घरों में एसी से पानी यूंही टपक-टपक कर बहता रहता है. लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस पानी को इस्तेमाल में भी लाया जा सकता है.एसी के पानी को घर में लगे पौधों में डाला जा सकता है. ये साफ और दूषित पदार्थों से मुक्त होते हैं. अगर आप ऐसा करते हैं तो घर में लगी टंकी का काफी पानी बचा सकते हैं.अगर आपके मन में अब ये सवाल है कि अगर एसी से टपकने वाला पानी साफ और दूषित पदार्थों से मुक्त होते हैं तो क्या इन्हें पी भी सकते हैं. तो जवाब है नहीं, एसी से निकलने वाला पानी पीने के लिए सेफ नहीं होता है क्योंकि ये डिस्टिल्ड वाटर की तरह शुद्ध नहीं किया जाता है.

किचन में तो हर रोज़ गंदे बर्तन निकलते हैं, और इसे धोनी भी जरूरी होता है. तो आप एसी के पानी से बाल्टी भर कर बर्तन धोने के इस्तेमाल में ला सकते हैं.आपको जानकर हैरानी होगी कि टॉयलेट फ्लश करने के लिए दिन भर में कई गैलन पानी बर्बाद होता है. पानी की बचत करने के लिए आप एसी के पानी को बाल्टी में भर सकते हैं और फिर इसे फ्लश में इस्तेमाल कर सकते हैं.

आखिर ऐसा क्या है उत्तर प्रदेश के इस गांव में, जिसे देखने का लगता है टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्तः उत्तर प्रदेश में ऐसे कई टूरिस्ट प्लेस हैं, जो काफी फेसम है, लेकिन यहां पर घूमने के लिए कोई टिकट नहीं लेनी होगी। वहीं अगर हम आपसे कहें कि यूपी में एक ऐसा गांव है जहां आने के लिए आपको 20 रुपये की टिकट लेनी होगी, तो क्या आप यकीन कर पाएंगे, लेकिन ये सच है। यूपी के इस गांव में बिना टिकट के किसी भी व्यक्ति को एंट्री नहीं दी जाती। लोग दूर - दूर से टिकट लेकर इस गांव को घूमने आते हैं।बच्चों के लिए ये गांव समझ लीजिए एक खेल का मैदान है। इस गांव का अपना चिड़ियाघर है। यहीं नहीं यहां पर ओपन जिम भी है। सबसे खास बात ये है कि ये गांव रोजगार को बढ़ावा देता है और गरीबों को खाना खिलाता है। आइए जानते हैं इस गांव के बारे में,यहां कैसे पहुंचा जा सकता है।

मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूरी पर 'खुरपी नेचर विलेज' है। नाम से ही प्रतीत हो रहा है, इस विलेज में आपको नेचर से जुड़ी कई चीजें देखने को मिलेगी। खुरपी नेचर विलेज को भारत के गांव की तरह डिजाइन किया गया है। यहां आकर ऐसा लगेगा, जैसे आप किसी प्राचीन गांव की सैर

कर रहे हैं।अगर आप अपने बच्चों को नेचर से रूबरू कराना चाहते हैं, तो खुरपी नेचर विलेज एक बढ़िया जगह साबित होगा। यहां पर चिड़ियाघर दिखेगा। घुड़सवारी की सुविधा मिलेगी। बोटिंग का लुत्फ उठाया जा सकता है. यही नहीं हर तरफ एक मैसेज के साथ पेंटिंग वाली दीवारें भी नजर आएंगी। खास बात ये है कि यहां पर बच्चों को भारतीय कल्चर को करीब से जानने का मौका मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

जीआईसी नंदासैंण में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

चमोली। अटल उत्कृष्ट जीआईसी नंदासैंण में अभिभावक अध्यापक संघ ने रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती करने की मांग उठाई है। संघ के अध्यक्ष अर्जुन भंडारी, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष बीरेंद्र रावत, प्रधान ताजवर भंडारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य हरेंद्र चौधरी, सुमन देवी, सरिता कुंवर, कुलदीप सिंह, आशा भंडारी, बीरेंद्र नेगी, चंपादेवी व दिनेश कुमार ने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में कहा गया कि विद्यालय में गणित, भौतिक विज्ञान व भूगोल में प्रवक्ता और अंग्रेजी में सहायक अध्यापक के पद रिक्त हैं। जिससे विद्यालय का शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। विद्यालय में 15 से अधिक गांवों के 232 छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं और परीक्षाओं के भी कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। पद रिक्त होने से अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में असन्तोष व्याप्त है। उन्होंने कॉलेज में रिक्त अध्यापकों के पदों पर नियुक्ति की मांग उठाई है।

बारिश से मकान को खतरा

चमोली। ब्लॉक के डुंग्री ग्वाड गांव में बारिश से एक पुस्ता धंसने के कारण आम रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया। रास्ते से इंद्रा देवी के आवासीय मकान को भी खतरा बना है। उन्होंने कहा कि भूधंसाव की दरारें आवासीय मकान के सीढ़ियों तक आ गई है। वहीं इस धंसाव की मिट्टी आवासीय मकानों के पीछे गिर रही है। खेत भी धंस रहे हैं। इंद्र देवी ने कहा कि इस भूंधसाव की मरम्मत का काम जल्द से जल्द किया जाए। क्योंकि उन के मकान को खतरा बना है।

गौचर में आईटीबीपी के जवानों को बहनों ने बांधी राखी

चमोली। गौचर में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, ब्रहमकुमारी संस्था, एकल अभियान संस्था एवं नगर निगम महिला पदाधिकारियो ने 8वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर विरेन्द्र सिंह रावत सेनानी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई और बहन के बीच प्यार का अनोखा बंधन है और भाई अपनी बहन की रक्षा और देखभाल का संकल्प करता है। हम सभी जवान अपने परिवार से पहले अपने देश की आन-बान और शान को प्राथमिकता देते हैं।

पिन पंचर होने से 28 गांवों की विद्युत आपूर्ति रहा बाधित

चमोली। फरकंडे फीडर में तकनीकि खराबी आने के कारण बीते रविवार को प्रखंड के करीब 28 गांवों में विद्युत आपूर्ति ठप रहने के कारण महरगांव, रामड़ा मल्ला, फरकंडे, घंडियाल, रिखोली आदि के ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधान रामड़ा तल्ला एचएस बिष्ट ने बताया कि रविवार को ग्रामीणों को बिजली की आपूर्ति न होने के कारण मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी बिजली से वाले उपकरणों के न चलने के कारण दिक्क्तों का सामना करना पड़ा। इस संबंध में ऊर्जा निगम गैरसैंण विद्युत उपसंस्थान के कनिष्ठ अभियंता पवन कंडवाल ने बताया कि बारिश के कारण रविवार तड़के तीन बजे के करीब ट्रासफार्मर की पिन पंचर हो गई थी। जिससे रविवार सुबह ही 10 बजे सुबह मरम्मत कर ठीक कर दिया गया था।

चमोली में पेड़ों पर बांधे रक्षा सूत्र

चमोली। रक्षाबंधन के त्योहार को चमोली जिले में उल्लास, उमंग और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। सोमवार को सम्पन्न रक्षाबंधन पर्व पर बहिनों ने भाइयों के हाथ में राखी बांधी। रक्षाबंधन के अवसर पर मंदिरों में भी बड़ी भीड़ जुटी। गोपेश्वर में गोपीनाथ मंदिर में रक्षाबंधन की शुरुआत भगवान गोपीनाथ के दर्शन पूजन और उन्हें राखी अर्पित करने से हुई। उदगम घाटी में स्थित प्रसिद्ध बंशीनारायण मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंच कर भगवान श्रीहरि नारायण बंशीनारायण की पूजा अर्चना कर राखी अर्पित की गोपेश्वर को हरा भरा बनाने में लगे संकल्प अभियान कार्य कर्ताओं ने पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। संकल्प अभियान के संयोजक मनोज तिवारी ने बताया 2014 पौधों पर रक्षा सूत्र बांध कर उनकी सुरक्षा का संकल्प का अभियान जन सहयोग से जारी है। इस अवसर पर मनोज तिवारी, सुशीला सेमवाल, सुधीर चमोला, सतेश्वरी तिवारी, बेलमती रावत, पावनी, मौली, सुमन तिवारी, आस्था तिवारी, बिश्मबरी गोस्वामी समेत कई महिला वह बच्चे उपस्थित थे।

बैडमिंटन में देहरादून और हल्द्वानी की टीमें रही विजेता

चमोली। कर्णप्रयाग के इंडोर स्टेडियम में आयोजित स्व. राजेंद्र सिंह रावत मैमोरियल राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ओपन कैटेगरी में देहरादून और 40 प्लस श्रेणी में हल्द्वानी की टीमों ने जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों से 28 टीमों ने भाग लिया। विजेता टीमों को पुरस्कार और ट्राफी प्रदान की गई। बीते दिन प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में 40 प्लस श्रेणी में श्रीनगर और हल्द्वानी में बीच फाइनल मुकाबला हुआ। जिसमें हल्द्वानी की टीम विजयी रही। वहीं, ओपन कैटेगरी में देहरादून और श्रीनगर के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें देहरादून की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जीत का परचम लहराया। फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। अंत में देहरादून और हल्द्वानी की टीमें विजेता बनकर उभरीं। विजयी टीम को 21 हजार और उप विजेता टीम को 11 हजार रूपये की नगद धनराशि देकर सम्मानित किया गया।

UP में 20 फीट का गन्ना, बीज बदलकर ऐसे मालामाल होने लगे किसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्त : वैसे तो पूरे उत्तर प्रदेश में गन्ने की खूब खेती होती है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बिजनौर तो हमेशा से गन्ने की खेती में नया प्रयोग करने के लिए मशहूर है. इस समय यहां गन्ने की खेती में कई किसानों ने नए प्रयोग किए हैं और अब 20 फुट से अधिक लंबाई वाले गन्ने की फसल का उत्पादन शुरू हो गया हैवैसे तो पूरे उत्तर प्रदेश को ही चीनी का कटोरा कहा जाता है. इसकी वजह भी है. यहां गन्ने की खेती खूब होती है और देश में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन भी यहीं होता है.पश्चिम उत्तर प्रदेश के बिजनौर, अमरोहा, मुजफ्फरनगर, शामली,सहारनपुर, मेरठ, हापुड, गाजियाबाद, बुलंदशहर, सम्भल, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी आदि जिलों में तो मुख्य फसल ही गन्ना है. यहां गन्ने की

फसल आम तौर पर 8 से 10 फुट की होती है, लेकिन बिजनौर जिले के किसानों ने गन्ने में नया प्रयाग शुरू किया है. इससे गन्ने की उपज 20 फीट तक होने लगी है.

जिले के नांगल, तिसोतरा और गंज इलाके में तो गन्ने की खेती देखकर लोग हैरान हो जाते हैं. इस गांव में रहने वाले किसान मोनवीर सिंह और संदीप तोमर के खेत में फसल अभी तक 15 से 18 फीट तक आ चुकी है. चूंकि फसल अक्टूबर नवंबर तक तैयार होगी, ऐसे में उम्मीद है कि फसल बढ़ कर 20 से 22 फीट तक हो सकती है. इस क्षेत्र में आम तौर पर दस फीट तक के गन्ने के फसल को अच्छा माना जाता है. लेकिन गन्ने की खेती में नए प्रयोग से किसानों की दशा और दिशा दोनों बदलने लगी है.

गंज में रहने वाले चांदपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक स्वामी ओमवेश के केवलानंद फार्म पर भी गन्ने की फसल दस से 15 फीट तक आ चुकी है. उम्मीद है कि अक्टूबर-नवंबर महीने में गन्ने की कटाई होने तक फसल 18-20 फीट तक हो जाएगी. विधायक स्वामी ओमवेश के मुताबिक यह फसल एक बीघे जमीन में करीब 100 से 125 कुंटल तक होने लगी है. इस समय बिजनौर जिले में लगभग ढाई लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ने की खेती हो रही है. यहां नौ शुगर मिले, तीस केन क्रेशर और सैकडों गुड़ कोल्हू ऑपरेट हो रहे हैं. इनके संचालक किसानों से गन्ने की खरीदारी कर चीनी, सीरा ऐथेनाल, गुड़ बनती है.

विधायक स्वामी ओमवेश के मुताबिक बीते दो वर्षों से गन्ने की 038 वैरायटी में पोका बोइंग फंगस, रेड रूट डीसीज,और गिंडार,सूडीं आदि लग जा रही है. इससे किसानों की 30 फीसदी तक फसल बर्बाद हो जाती है. इसका सीधा असर चीना उत्पादन पर पड़ रहा है. हालात को देखते हुए काफी किसानों ने बीज बदला है और उसका नतीजा सामने है. इससे किसानों की पैदावार बढ़ी है और इससे कमाई में भी इजाफा हुआ है. इसे देखकर बाकी किसान भी इस बार बीच बदलने पर विचार कर रहे हैं. तिसोतरा गांव के प्रधान रहे कामेंद्र तोमर के मुताबिक उन्नत बीज के साथ गन्ने की खेती में फसल की देखभाल, खाद, दवाई खुदाई और पानी आदि का भी अहम योगदान है.

Sho राजेन्द्र सिंह खोलिया कोतवाल ऋषिकेश व asi मुकेश कुमार व हेड का संदीप राठी व का, अशोक कुमार ने aiims dr से राखी बंधवा कर त्यौहार मनाया

हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया श्रावणी उपाकर्म

अल्मोड़ा। नगर के कर्नाटकखोला स्थित श्री भुवनेश्वर महादेव मंदिर एवं रामलीला परिसर कर्नाटक खोला में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन किया गया। कर्नाटक खोला में हर वर्ष श्रावणी उपाकर्म का पर्व बड़े हर्षोल्लास व धूम-धाम से मनाया जाता है, जिसमें स्थानीय निवासी आकर अपनी जनेऊ एवं रक्षा सूत्र को प्रतिष्ठित करने के उपरांत सामूहिक रूप से जनेऊ धारण करते हैं तथा एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घ जीवन एवं उन्नति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। पूर्व दर्जा मंत्री व वरिष्ठ रंगकर्मी बिट्टू कर्नाटक ने बताया कि सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में श्रावणी उपाकर्म कार्यक्रम पहले प्रत्येक मोहल्ले में मनाया जाता था, किंतु अब कुछ गिने चुने क्षेत्र में ही श्रावणी उपाकर्म का यह पर्व मनाया जाता है।इस श्रावणी उपाकर्म को ज्योतिषाचार्य एवं शिक्षाविद् डॉ. गिरीश चन्द्र जोशी द्वारा पूर्ण विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ कराया गया।

न्यू कमलेश्वर मौहल्ला में मार्ग दुर्घटनाओं को दे रहा है न्यौता

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम श्रीनगर के अन्तर्गत शहर की सड़कों की हालत खस्ताहाल बनी हुई हैं। नगर क्षेत्र के तहत सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के पास न्यू कमलेश्वर मौहल्ला को जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्डे व जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने के कारण क्षतिग्रस्त सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कई बार दुपहिया वाहन रपट जाने से दुर्घटना होते होते बच जाती है। इसके बावजूद नगर निगम सड़क पर मरम्मत कार्य करने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के पास न्यू कमलेश्वर मौहल्ला को जाने वाली सड़क तो पूरी तरह से गड्डे जीर्णशीर्ण के साथ जगह जगह पर क्षतिग्रस्त हैं। बारिश के मौसम में सड़क पर हुए गड्ढों में बरसाती पानी भरने से आम राहगीरों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी राशिसं के पूर्व मण्डलीय मंत्री शिव सिंह नेगी, जसपाल सिंह चौहान, गम्भीर सिंह रौतेला, बीरेंद्र सिंह राणा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन को अविलंब जीर्ण शीर्ण हुई सड़क पर मरम्मत कार्य करना चाहिए, ताकि स्थानीय राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने नगर निगम प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा है कि न्यू कमलेश्वर मौहल्ला को जाने वाली सड़क बीते तीन साल से अधिक समय से जीर्ण शीर्ण व गड्डों में तब्दील हो चुकी है, लेकिन नगर निगम प्रशासन लगातार अनसुना बना हुआ है। उन्होंने शीघ्र ही नगर निगम प्रशासन से उक्त मार्ग पर कंक्रीट व इंटर लॉकिंग टाइल्स लगाने की मांग की है।

महिला अत्याचार को लेकर रैली निकाल रोष व्यक्त किया

नई टिहरी। रक्षा बंधन के पर्व पर जवाहर नवोदय विद्यालय पौखाल के छात्र-छात्राओं ने देश में महिलाओ पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रैली निकालकर बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। विद्यालय के 11वीं तथा 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय से पौखाल कस्बे तक हाथ में तख्तियों एवं बैनर के साथ नारेबाजी कर आक्रोश जताया। जिसमें उन्होंने कलकत्ता के मेडिकल कालेज में महिला डाक्टर के साथ रेप के बाद हत्या करने, उधमसिंह नगर एवम देहरदून के आईएसबीटी में किशोरी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार पर रोष जताया। छात्रों ने तख्तियों पर स्लोगन लिखकर देश की बेटियों के साथ हो रहे अत्याचार पर सरकार से शख्त कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर उन्होंने दो मिनट का में रखकर पीड़िताओं एवं मृतका को श्रद्धांजलि दी। रैली में शिक्षक मनोज सिंह, मनीष माहेश्वरी,जया सुंदरियाल सहित तमाम छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

कठूड के ग्रामीण बाहरी लोगों को नहीं बेचेंगे जमीन

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के धार अकरिया पट्टी के कठूड के ग्रामीणों ने बैठक कर बाहर के लोगों को अपनी जमीन न बेचने का निर्णय लिया। कहा कि कुछ बिचौलियों के माध्यम से बाहरी लोग गांव में आकर ग्रामीणों की जमीनों को औने पौने दामों में खरीद रहे हैं। जिसका अब ग्रामीण कड़ा विरोध कर अपनी जमीन नहीं बेचेंगे। ग्राम प्रधान विमला देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने गांव के विकास, सामाजिक गतिविधियों से लेकर जल, जंगल, जमीन के संरक्षण को लेकर चर्चा की।कहा कि कुछ समय से बाहरी लोग बिचौलियों के माध्यम से अपनी पहचान छिपा कर गरीब ग्रामीणों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनकी जमीन को खरीद रहे हैं। जिसके बाद उस जमीन विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों कर रहे हैं। जिनमें दूसरे समुदाय के लोग भी है।

महिला अपराध पर अंकुश लगाने में नाकाम रही सरकार

नई टिहरी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश और प्रदेश में महिलाओं के साथ हो रही हिंसक, यौन उत्पीड़न की घटनाओं के विरोध में सोमवार को उपवास रखा। मौके पर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार को बढ़ते महिला अपराधों पर भी घेरा। मौके पर आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष राकेश राणा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपवास रखा। कहा कि कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी की गई, इस घटना मानवता को शर्मसार कर दिया। साथ ही देहरादून के आईएसबीटी में एक बेटी के साथ गैंगरेप की घटना ने कानून व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। कहा कि इससे पूर्व भी हेमा नेगी, पिंकी के साथ घटित हुईं से भी सरकार ने सबक नहीं लिया है। उन्होंने महिलाओं के साथ ही रही घटनाओं को रोकने लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। इस मौके पर प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, महिला जिलाध्यक्ष आशा रावत, विजय गुनसोला, मुशर्रफ अली, अनीता शाह, देवेंद्र नौडियाल, साहब सिंह सजवाण,शक्ति प्रसाद जोशी आदि मौजूद थे।

टिहरी में धूमधाम से मनाया गया रक्षा बंधन

नई टिहरी। सोमवार को रक्षाबंधन के त्योहार की धूम रही। भाई-बहनों का यह त्योहार पूरे जनपद में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने पूजा-अर्चना के बाद भाइयों की कलाई में राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। सोमवार को दोपहर डेढ़ बजे के बाद रक्षाबंधन का शुभमुहूर्त शुरू होने के बाद बहनों के भाइयों को राखी बांधी। बहनों ने मिठाइयों और राखी से सजी थालियों के साथ भाइयों की आरती उतारक उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

प्रतापनगर के स्कूलों में खुलेंगे पुस्तकालय: प्रमुख रमोला

नई टिहरी। । प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने ब्लाक के इंटर कॉलेजों और माध्यमिक विद्यालयों में संसाधनों की कमी को देखते हुए पुस्तकालय खुलवाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत ब्लाक के इंटर कालेजों और माध्यमिक विद्यालयों को पुस्तकालय खोलने को पुस्तकें, आलमारियां व रैक उपलब्ध कराने की बात कही है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रतापनगर के ब्लाक प्रमुख रमोला ने कहा कि प्रतापनगर ब्लाक जनपद का दूरस्थ ब्लाक हैं। यहां के विद्यालय में विभिन्न तरह की प्रतिभाए हैं, लेकिन उन्हें संसाधनों का अभाव है। इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाली ब्लाक की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्लाक के इंटर कालेजों में माध्यमिक विद्यालयों में ब्लाक राज्य वित्त व अन्य संसाधनों की मदद से पुस्तकालय खुलवाने का काम जल्द शुरू किया जाएगा। जिसके तहत विद्यालयों को पुस्तकें, आलमारियां व रैक उपलब्ध करवाये जाएंगे। ताकि यहां पर प्रतिभावान छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे संस्थाधनों के साथ कर सकें।

भिलंगना के भोंड गांव में कम नहीं हो रही गुलदार की दहशत

नई टिहरी। भिलंगना रेंज के हिंदाव पट्टी स्थित भोंड गांव में गुलदार की दहशत बनी हुई है। गुलदार के भय के कारण ग्रामीणों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को गांव के आसपास गुलदार कई बार दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की। भोंड गांव में 22 जुलाई को दिन दहाड़े एक 11 वर्षीय बालिका को गुलदार उठाकर ले गया। जिसका क्षत विक्षत शव गांव के पास ही झाड़ियों से बरामद हुआ था। ग्रामीणों के आक्रोश के बाद वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित कर उसे मारने के लिए गांव में शूटर तैनात किया। साथ ही पिंजरा लगाकर अलग अलग स्थानों पर ट्रेस कैमरे भी लगाए गए। लेकिन अभी तक गुलदार शूटर की गोली के नजदीक नहीं आया है साथ ही पिंजरे में भी गुलदार नहीं फंस पाया है।

पुलिस की सतर्कता से छह साल बाद परिजनों को मिला युवक

नई टिहरी। टिहरी जिले के कैंपटी थाना पुलिस की सतर्कता से छह से लापता युवक परिजनों को मिल गया है। परिजनों से लापता चल रहे 25 वर्षीय युवक के मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए पुलिस का आभार जताया। युवक के माता ने कहा उन्होंने बेटे के मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन टिहरी पुलिस के ऑपरेशन स्माइल के कारण उनका बेटा उन्हें मिल पाया है। टिहरी पुलिस एसएसपी के निर्देश पर लापता लोगों को ढूंढने के लिए ऑपरेशन स्माइल चलाया हुआ है। जिसके तहत पुलिस टीमें बनाकर लापता लोगों को ढूंढकर परिजनों को सौंप रही है। एक युवक पुलिस को कैंपटी बाजार में घूमता हुआ मिला। पुलिस उप निरीक्षक राकेश डिमरी, मैराज आलम ने युवक से पूछताछ की। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अरविंद पुत्र स्व. वीरम ग्राम चौरावाला, थाना ककरौली जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि छह साल पहले वह परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से लापता हो गया था।

श्रीअन्न की खेती के लिए उत्तराखंड उपयुक्त : डॉ खादर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 अगस्त , देश के नामचीन आहार विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ खादर वली ने कहा कि श्रीअन्न की खेती के लिए किसी खास जमीन की जरूरत नहीं पड़ती। उत्तराखंड की जमीन श्रीअन्न की खेती के लिए उपयुक्त है। देश को डॉक्टर नहीं किसान निरोग कर सकते हैं। डॉ खादर यहाँ इंडियन पब्लिक स्कूल में आयोजित मिलेट्स महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बाजार ने हमारा खानपान खराब कर दिया है। इससे निजात पाने का एकमात्र उपाय श्रीअन्न का नियमित सेवन करना है। चावल, गेहूं, चीनी, मैदा और मिलावटी तेल खाने से हम बीमार हो रहे हैं। हमारे शरीर का ग्लूकोज संतुलन गड़बड़ा गया है। नतीजतन, हम बीमार होते जा रहे हैं और अकाल मौत के आगोश में समाते जा रहे हैं। श्रीअन्न में अद्भुत औषधीय गुण हैं। कोदो, कुटकी, कंगनी, सावां और हरा सावां का नियमित सेवन करने से हम एक नहीं, कई बीमारियों से निजात पा सकते हैं।

डॉ खादर ने कहा कि शरीर की अधिकांश बीमारियों की शुरुआत ग्लूकोज के असंतुलन से होती है। श्रीअन्न इस असंतुलन को दूर करने की अचूक दवा है। विडम्बना है कि आपने अपना स्वास्थ्य रसोई घर में खो दिया है और डॉक्टर के पास जाकर स्वास्थ्य ढूँढ़ते हैं। मैं आपके रसोई घर में वैद्य बैठाने की मुहिम में निकला हूँ ताकि आपको डॉक्टर के पास जाकर अपने जीवन भर की कमाई गंवाने की जरूरत ही नहीं पड़े।

समारोह की अध्यक्षता अवसर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के बिछाये जाल में हमलोग फंस चुके हैं जो हमें बीमार बनाने के कुचक्र में वर्षों से लगा हुआ है। चावल, गेहूं और गन्ना के उत्पादन में हमने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। हालात यह हो गई है कि देश में जल संकट गहराने लगा है। एक किलो चावल के उत्पादन में 8 हजार लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है जबकि एक किलो गेहूं के उत्पादन में 10 हजार लीटर और एक किलो गुड़ बनाने में 28 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। जबकि एक किलो मिलेट (श्रीअन्न) के उत्पादन में महज ढाई सौ लीटर पानी की खपत होती है। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्मश्री रामबहादुर राय, सेवनिवृत्त आईएएस और इंडियन पब्लिक स्कूल के कार्यपालक अध्यक्ष डी के कोटिया, वरिष्ठ पत्रकार राधा रमण समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे। तीन दिवसीय मिलेट्स महोत्सव का रविवार को दूसरा दिन था।

ओवरब्रिज बनने से सहारनपुर-दिल्ली का सफर हुआ आसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 20 अगस्त : नानौता फाटक पर लंबे समय से निर्माणाधीन ओवरब्रिज अब बनकर तैयार हो गया है। इस पर वाहनों का आवागमन भी शुरू कर दिया गया है। ओवरब्रिज बनने से सहारनपुर से दिल्ली का सफर आसान हो गया है। दरअसल, दिल्ली के अक्षरधाम से बागपत, शामली होते हुए सहारनपुर तक 154 किलोमीटर लंबे नेशनल हाइवे 709बी की कुल लागत 4405 करोड़ है। दिल्ली यमुनोत्री हाईवे पर नानौता क्षेत्र के गांव जंधेड़ी स्थित रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पिछले दो साल से चल रहा था, जो अब पूरा हो गया है। ओवरब्रिज बनने से राहगीरों को बहुत राहत मिली है। निर्माणाधीन ओवरब्रिज के चलते फाटक पर लंबा जाम रहता था। जिसकी वजह से राहगीरों को काफी परेशानी रहती थी। ओवरब्रिज बनने से जहां राहगीरों को जाम मुक्ति मिलेगी वहीं उनके वाहनों का ईंधन और समय भी बचेगा। फोरलेन ओवरब्रिज का निर्माण के साथ ही दोनों साइड सर्विस रोड निकाली गई हैं और डिवाइडर का कार्य भी पूरा हो गया है।

जल्द पूरा होगा एक ओर ओवरब्रिज का निर्माण

दिल्ली-यमुनोत्री नेशनल हाइवे 709बी पर रामपुर मनिहारान में भी पिछले दो साल से अधिक समय से रेलवे फाटक पर फोरलेन ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है।ओवरब्रिज के साइड में सड़क के लिए जमीन नहीं मिलने के चलते कार्य की गति धीमी थी, लेकिन अब दोनों साइड का कार्य शुरू हो गया है। जिसके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस ओवरब्रिज के पूरा होते ही राहगीरों को जाम के झाम से मुक्ति मिलेगी।

बादल गरजने और आकाशीय बिजली से पैदा होने वाली इस 'सब्जी' के दीवने हैं लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्तःबादल गरजने और आकाशीय बिजली की आवाज से बरसात में बिना बीज के जंगल में पैदा होने वाली फली को "गरजे" के नाम से पुकारा जाता है. इटावा के लोग इस गरजे के खासे दीवाने होते हैं. बाजार में यह गरजे 600 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से बेची जा रही है. बिना बीज के ही बरसात के दिनों में जंगल में पैदा होने वाली अनोखी फली को गरजे के साथ साथ कुछ लोग जंगली मशरूम भी कहते हैं.ऐसा कहा जाता है कि हर साल बरसात के दिनों में बिना बीज के ही जंगली मशरूम की पैदाइश जंगल में बड़े पैमाने पर होती है. इस गरजे को खाने का इंतजार गांव वाले पूरे साल करते रहते हैं लेकिन जैसे ही बरसात शुरू होती है वैसे ही गांव वालों में इस जंगली मशरूम को हासिल करने की होड़ मच जाती है.गरजे को पसंद करने वाले उसे भारी मात्रा में खरीदकर घर ले जाते हैं और साफ सफाई करके सब्जी बनाकर इसका सेवन करते हैं. विशेषज्ञ बताते हैं कि गरजे इंसानी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. गरजे को प्रोटीन का बड़ा सोर्स माना जाता है. इसी वजह से लोगों की खासी पसंद जंगली मशरूम अरसे से बना हुआ है.इटावा जिले में चंबल इलाके से लेकर के आम बीहड़ में गरजे की बढ़िया पैदाइश होती है. स्थानीय गांव वाले गरजे को जमीन से खोद कर बाहर निकाल कर खुद तो सेवन करते ही है और इसे खुले बाजार में भी बेचते हैं.

संक्षिप्त खबरें

किशोरी से गैंगरेप के पांचों आरोपी जेल भेजे गए

देहरादून। आईएसबीटी परिसर में बस के भीतर 16 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप के पांचों आरोपी जेल भेज दिए गए। लंबी पूछताछ के बाद सोमवार दोपहर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पांचों को रक्षा बंधन की छुट्टी के चलते दोपहर को ड्यूटी मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। वहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। वहीं मुरादाबाद जिले से देहरादून पहुंचे पीड़िता के परिजनों के सोमवार को बयान दर्ज किए गए। गैंगरेप के इस मामले में बीते शनिवार को बाल कल्याण समिति की ओर से केस दर्ज किया गया। घटनाक्रम के अनुसार 12 अगस्त की रात करीब ढाई बजे आईएसबीटी पर करीब 16 वर्षीय किशोरी मिली। बाल कल्याण समिति टीम ने प्रारंभिक पूछताछ की तो वह अपने परिजनों के बारे में कुछ नहीं बता पाई। घटना की रात पुलिस को सूचित कर बालिका निकेतन ले जाया गया। वहां तीन दिन तक एक-एक कर चाइल्ड लाइन कउंसलर, बालिका निकेतन काउंसलर और बाल कल्याण समिति की महिला सदस्यों ने पूछताछ की। तब पता लगा कि बालिका को दिल्ली कश्मीरी गेट से रोडवेज बस का ड्राइवर अपने साथ बैठाकर दून लाया। यहां उसने और रोडवेज संचालन से जुड़े उसके साथ चार अन्य साथियों ने बस में बारी-बारी से गैंगरेप किया। इसके बाद पीड़िता को आईएसबीटी से पटियाला की बस में बैठाकर दून से भेजने की तैयारी थी। गनीमत रही कि इससे पहले ही उसे आईएसबीटी के सिक्योरिटी गार्ड ने देख लिया। तब वह बालिका निकेतन पहुंची। वहां तीन दिन की पूछताछ के बाद उसके साथ की गई दरिंगदगी का पता लगा। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि मामले में रोडवेज की अनुबंधित बस के ड्राइवर धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार, रोडवेज के ड्राइवर राजपाल, कंडक्टर देवेंद्र और कैशियर का काम कर रहे कंडक्टर राजेश कुमार सोनकर को गिरफ्तार किया। पांचों से पूछताछ में गैंगरेप किए जाने का पता लगा। मामले में साक्ष्य जुटाकर पुलिस ने पांचों आरोपी कोर्ट में पेश किए गए।

जनसंख्या नियंत्रण को निकाली पदयात्रा

देहरादून। मेरठ के तलवार दंपति पैदल चलकर दून और मसूरी पहुंचे। रक्षाबंधन के मौके पर उन्होंने यहां लोगों को जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जागरूक किया। वह तीस सालों से जागरूकता अभियान चला रहे हैं। उनकी यात्रा दिल्ली के जंतर मंतर पर जाकर समाप्त होगी। दिनेश तलवार और दिशा तलवार अपने पुत्र यश तलवार और पुत्री सिमरन को साथ लेकर यह अभियान चलाते हैं।

अल्मोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

अल्मोड़ा। भाई-बहन के बीच स्नेह को दर्शाने और अटूट रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाने वाला रक्षाबंधन का त्योहार गुरुवार को सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके अच्छे जीवन की कामना की। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा का धागा बांधकर आरती करके उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को विभिन्न तरह के उपहार देकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। भाई-बहनों ने रक्षा बंधन का पर्व प्रेम, विश्वास, धार्मिक और सामाजिक रीति रिवाजों के साथ मनाया। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बच्चों में खासा उत्साह रहा। रंग बिरंगी कार्टून वाली और लाइट वाली राखियां बच्चों की पहली पसंद बनी। भद्रा के चलते कुछ बहनों ने भाइयों की कलाई पर तड़के तो बहुतों ने भद्रा समाप्त होने के बाद दोपहर के मूहूर्त में राखी बांधी। भद्रा सुबह 5 बजकर 53 मिनट से शुरू होकर 1 बजकर 32 मिनट तक थी। इस कारण रक्षा सूत्र धारण करने में भाईयों को प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर स्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, धनिष्ठा नक्षत्र समेत कई शुभ प्रभावकारी योग बने। ज्योतिष पंडितों ने रक्षा बांधने का शुभ मुहूर्त 1 बजकर 35 मिनट से लेकर 4 बजकर 20 मिनट तक बताया था। रक्षाबंधन के मौके पर सुबह से नगर के मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। बहनें भाइयों की लंबी आयु की कामना करते नजर आईं। नगर की मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ रही।

नीरज चोपड़ा नहीं, इस भारतीय के नाम है सबसे दूर जैवलीन फेंकने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अगस्त : भारत के स्टार जैवलीन थ्रो एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास कायम किया. नीरज ओलंपिक में लगातार 2 मेडल जीतने वाले भारत के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हुए. उन्होंने 89.45 मीटर थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. यह नीरज का सीजन बेस्ट थ्रो था. उन्होंने कई लीग में शानदार प्रदर्शन कर कई रिकॉर्ड बनाए हैं. लेकिन क्या आपको जानते हैं कि पैरा खेलों का जैवलीन थ्रो में वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत के नाम है. भारत के स्टार पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने यह विश्व रिकॉर्ड बनाया है.

टोक्यो पैरालंपिक के गोल्डन ब्वॉय सुमित अंतिल का लक्ष्य पेरिस खेलों में पुरुषों के एफ64 श्रेणी में अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार के साथ खिताब का बचाव करना है. सुमित 28 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले खेलों में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की ओर देख रहे हैं. सुमित ने टोक्यो पैरालंपिक में तीन बार विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए 68.55 मीटर के प्रयास से

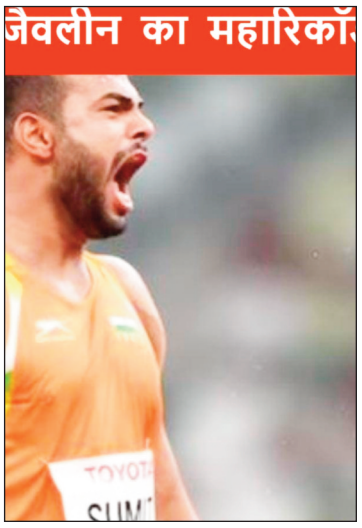

स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने इसके बाद 2023 पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 70.83 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया और फिर हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में इसमें सुधार करते हुए 73.29 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता.

एफ 64 श्रेणी पैर के निचले हिस्से में विकार वाले खिलाड़ियों से संबंधित है जो प्रोस्थेटिक्स (कृत्रिम पैर) का उपयोग करके खड़े होने की स्थिति वाली स्पर्धा में भाग लेते हैं. सुमित का कहना है कि पेरिस पैरालंपिक में वह अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार कर स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं. इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मेरा लक्ष्य 80 मीटर की दूरी हासिल करना है लेकिन पेरिस पैरालंपिक में मैं 75 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा.'

17 साल की उम्र में सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर गंवाने वाले इस खिलाड़ी ने इस वर्ष मई में पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 69.50 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था. बकौल सुमित, 'अभ्यास के दौरान मेरे प्रयास काफी निरंतर रहे हैं. मैंने तकनीक में कोई बदलाव किए बिना ताकत और मजबूती बढ़ाने पर काफी मेहनत की है. मेरी कोशिश रहेगी कि अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर करूं.' पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के 84 खिलाड़ी 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे.

संपादकीय

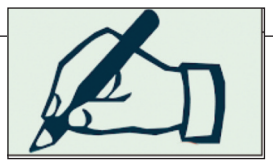

आरक्षण की छद्म राजनीति

आरक्षण पर फर्जी, छद्म, झूठी, अतार्किक कहानियां गढ़ी जा रही हैं। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आरक्षण और उसके आधार संविधान के जरिए मोदी-विरोध की राजनीति कर रही हैं। लोकसभा चुनाव में उनका यह 'हथियार', कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को 'ब्रह्मसत्य' मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें 'विशेषज्ञ अर्थशास्त्री' के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था। फिर 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। 1991 में जब वह केंद्रीय वित्त मंत्री बने, तो वित्त सचिव के पद पर उन्होंने मोंटेक सिंह आहलूवालिया को मांगा था। मोंटेक आईएएस नहीं थे, फिर भी देश के वित्त सचिव बनाए गए। बाद में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में उन्हें 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इसी सूची में रघुराम राजन, विमल जालान, नंदन नीलेकणि, सैम पित्रोदा, एनटीपीसी के चेयरमैन रहे पी. कपूर आदि सैकड़ों नाम दर्ज हैं, जिन्हें सरकार ने सीधे ही नौकरशाही के वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया था। ऐसी नौकरियां 1968 से दी जा रही हैं और अधिकतर कांग्रेस सरकारों के दौरान ही दी गई हैं। तब संविधान को खत्म करने और आरक्षण को छीनने के मुद्दे नहीं उठाए गए। अब भी सीधी भर्ती वाले 57 शीर्ष अधिकारी भारत सरकार में कार्यरत हैं। इन भर्तियों से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस आदि के युवा दावेदार कहीं भी प्रभावित नहीं होंगे। यह मुद्दा राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। भारत सरकार में जो अधिकारी आज सचिव के पद पर हैं, वे 1990 के दशक में आईएएस बने होंगे। आरक्षण तब लागू हुआ होगा, नतीजतन 3-4 सचिव आज अनुसूचित जाति और जनजाति के भी हैं। इस व्यवस्था में प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर सकता। संघ लोक सेवा आयोग की अपनी स्वायत्तता है। लोकतंत्र में जनादेश ही अधिकार देता है। जनादेश से जिसकी सत्ता बनी है और प्रधानमंत्री, कैबिनेट आदि तय हुए हैं, तो संविधान उन्हें कुछ विशेषाधिकार भी देता है। पहले तो प्रधानमंत्री ही तमाम संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करते थे। अब कमोबेश नेता प्रतिपक्ष भी चयन समिति के सदस्य हैं। लिहाजा सीधी भर्तियां भी सरकार कर सकती है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। यदि विपक्ष को कुछ गलत लगता है, तो वह सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है। सचिव की बात छोड़ भी दें, तो संयुक्त सचिव पद के लिए भी कमोबेश 15 साल का अनुभव अनिवार्य है। निदेशक/ उपसचिव के लिए भी 10 साल का अनुभव जरूरी है। जो युवा आज आईएएस बन रहे हैं अथवा बनना चाहते हैं, उन्हें शुरुआती दौर में एसडीएम या सहायक कलेक्टर आदि पदों पर नियुक्त किया जा सकता है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कांग्रेसी नेताओं ने एसएसपी के सामने कानून-व्यवस्था का मामला उठाया

देहरादून। आईएसबीटी में किशोरी से गैंगरेप को लेकर सोमवार को कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी अजय सिंह से मुलाकात की। उन्होंने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने जिला पुलिस कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह से मुलाकात के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराध पर गंभीर चिंता जताई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हाल में जो घटनाएं सामने आई हैं, वह समाज के समान में बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इन मामलों में पुलिस-प्रशासन को संवेदनशील रवैया अपनाना होगा। साथ ही अपराधियों के खिलाफ कठोरी कार्रवाई होनी चाहिए। एसएसपी से मुलाकात के बाद महानगर अध्यक्ष डॉ.जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद है। भाजपा सरकार अपराध को रोकने में विफल साबित रही है। अपराधी बाहर से आकर यहां घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने अंकिता, रुद्रपुर नर्स मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। एसएसपी से मुलाकात करने के मामले में प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव याकूब सिद्दिकी, निर्वतमान पार्षद मुकीम अहमद भूरा, वसीम अहमद, सलमान, फैजल, अभिषेक तिवारी, लक्की राणा समेत अन्य मौजूद रहे।

महापरिषद ने राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा

देहरादून। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद ने देश की वर्तमान परिस्थितियों एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की भूमिका पर चर्चा के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा है। सोमवार को महापरिषद की इस संबंध में एक वुर्चुअल बैठक आयोजित की गई, जिसमें 19 प्रदेशों के कोर कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में सेनानी परिवारों के हितों के लिए काम करने और संगठन को बृहद रूप देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में 25 अगस्त को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ की ओर से हरिद्वार में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय समागम के विषय में भी चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष प्रहलाद प्रजापति, राष्ट्रीय महासचिव कुमार पटेल, उत्तराखंड प्रकोष्ठ के महामंत्री अवधेश पंत आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पेपर हल करने का मास्टर माइंड अनुपम है इंजीनियर

हरिद्वार। प्रश्न पत्र हल करने का मास्टर माइंड अनुपम इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुका है। 35 वर्षीय अनुपम एक परिचित के माध्यम से ऊधम सिंह के संपर्क में आया था और ऊधम सिंह उसे प्रश्न पत्र हल करने के लिए हॉयर करता था। एसटीएफ की जांच का फोकस इस बात पर भी है कि कहीं इनके तार किसी बड़े गैंग से तो नहीं जुड़े हैं।

सहायक अध्यापक भर्ती की परीक्षा देने पहुंचे नकल माफिया चढ़े हत्थे

हरिद्वार। एसटीएफ ने रविवार को सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा देने आए दो नकल माफिया दबोच लिए। एसटीएफ के हत्थे चढ़े आरोपी पिछले साल भी वेस्ट यूपी के मेरठ से बीडीओ भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी के स्थान पर शामिल होने के आरोप में धरे जा चुके हैं। एसटीएफ का दावा है कि सहायक अध्यापक परीक्षा प्रश्नपत्र हल करने के नाम पर 12 लाख की रकम तय हुई थी। हरिद्वार कोतवाली पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पहले भी पकड़े जा चुके हैं दोनों आरोपी

हरिद्वार। देहरादून से एसटीएफ की टीम की ओर से पकड़े गए दोनों आरोपी पहले भी पकड़े जा चुके हैं। कोतवाली लाकर की गई पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम ऊधम सिंह निवासी ग्राम चकबन्दी थाना सरधना जिला मेरठ और अनुपम कुमार निवासी निकट देवनारायण मार्केट ओम साई अस्पताल के पीछे मोहल्ला रामकृष्णा नगर थाना रामकृष्णानगर पटना बिहार बताया। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया कि चार वर्ष पहले यूपी में हुई टीजीटी परीक्षा में पेपर हल कराने के नाम पर ऊधम सिंह ने एक अभ्यर्थी से दो लाख की रकम ली थी लेकिन तब वह कामयाब नहीं हो सका था। अब सहायक अध्यापक परीक्षा में पेपर हल करने के नाम पर 12 लाख में सौदा तय हुआ था। तय हुआ था कि चयन होने के बाद 12 लाख की रकम अदा करनी होगी। उसने अनुपम को कुलदीप सिंह नाम के अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने के लिए हॉयर किया था। योजना थी कि फर्जी प्रवेश पत्र के जरिये अनुपम परीक्षा केंद्र में दाखिल हो जाएगा लेकिन एसटीएफ ने उन्हें दबोच लिया।

दोनों नकल माफिया जेल भेजे गए

हरिद्वार। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि एसटीएफ की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। गैंग के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पिछले साल दोनों आरोपी मेरठ के ब्रम्हपुरी क्षेत्र में बीडीओ की परीक्षा में शामिल होने पहुंचे थे, तब यूपी एसटीएफ ने उन्हें गिरफ्तार किया था। इस साल जनवरी में ही वे जमानत पर छूटकर आए थे।

मोबाइल फोन से मिले क्लू

हरिद्वार। नकल माफिया अनुपम और ऊधम सिंह के मोबाइल फोन से एसटीएफ को कई अहम क्लू मिले हैं। परीक्षा को लेकर उनकी चेटिंग मोबाइल फोन पर मिली है। इसके लिए कई परीक्षाओं को लेकर भी उनकी बातचीत की बात सामने आ रही है। उनके कब्जे से एक फर्जी प्रवेश पत्र के अलावा तीन मोबाइल फोन मिले हैं।

सोमवार के साथ सावन का समापन

हरिद्वार। हरिद्वार में सावन के अंतिम सोमवार को शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इसी के साथ ही सावन माह का भी समापन हो गया। कनखल के दक्ष मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही। दूसरे शिवालयों में भी जल चढ़ाने के लिए लंबी लाइन लगी रहीं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन

हरिद्वार। धर्मनगरी में भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सोमवार सुबह से ही रक्षाबंधन को लेकर भाई-बहनों में खासा उत्साह रहा। बहनों ने थाली में आरती, चंदन, मिठाई समेत अन्य सामग्री के साथ भाई को राखी बांधी। भाइयों को मिठाई खिलाकर उनकी लम्बी उम्र की कामना बहनों ने की। भाइयों ने बहनों को रक्षा का वचन देते हुए अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार दिए। भद्रा के कारण दोपहर 1:32 बजे के बाद ही रक्षाबंधन का त्योहार धर्मनगरी में मनाया गया। जरूरी कामकाज से बाहर जाने वाले भाई और बहनों ने 10:30 बजे रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

मिठाई की दुकानों और चॉकलेट की ब्रिकी

हरिद्वार। रक्षाबंधन पर मिठाई की खूब खरीदारी हुई। सोमवार को हरिद्वार में मिठाई की दुकानों पर काफी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान बहुत सी अस्थायी मिठाई की दुकानें भी कनखल, ज्वालापुर और उत्तरी हरिद्वार क्षेत्र में खुलीं। वहीं, बहनें अपने भाई की पसंदीदा काजू कतली, बर्फी, रसमलाई, रसगुल्ले, गुलाब जामुन, मिल्क केक, घेवर आदि खरीदारी करती नजर आईं। इसके अलावा कई भाईयों ने अपनी बहनों को चॉकलेट भी गिफ्ट में दी।

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से दी बधाई

हरिद्वार। रक्षाबंधन पर जो भाई बहनों से दूर थे और उनसे मिलने नहीं आ पाए, उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पूजा करवाई और बहन को सुख-दुख में साथ रहने का संकल्प लिया। ऑनलाइन शॉपिंग का चलन काफी बढ़ चुका है। इसका असर भाई बहन के त्योहार रक्षाबंधन पर भी देखने को मिला।

ऑनलाइन गिफ्ट भेजने का चलन बढ़ा

हरिद्वार। ऑनलाइन शॉपिंग का चलन काफी बढ़ चुका है। इसका असर भाई बहन के त्योहार रक्षाबंधन पर भी देखने को मिला। जहां जो भाई बहन के पास था उसने तो बहन को गिफ्ट सौंपा वहीं दूसरी ओर बहनों तक जो भाई नहीं पहुंच पाया उसने वहीं से ही ऑनलाइन गिफ्ट भेजा। इस बार इस प्रकार ऑनलाइन गिफ्ट भेजने का चलन बहुत अधिक देखने को मिला।

नाले का निर्माण नहीं होने से गांव धनपुरा में हो रहा जलभराव

हरिद्वार। घिस्सुपुरा और धनपुरा में पानी की निकासी नाली का निर्माण नहीं होने से जलभराव की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों ने नाले के निर्माण की मांग की है। धनपुरा और घिससुपुरा के ग्रामीण जलभराव से जूझ रहे हैं। पिछले कई साल से बरसात के दिनों में दोनों गांवों में भारी जलभराव हो रहा है। जलभराव होने के चलते ग्रामीणों के घरों में भी पानी घुस रहा है। इससे घर के अंदर रखा कीमती सामान भी खराब हो जाता है।

मंत्री सौरभ बहुगुणा की सूझबूझ से खत्म हुआ आंदोलनकारियों का धरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 अगस्त, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त मंच ने राज्य आंदोलनकारियों को राज्याधीन सेवाओं में 10 % क्षैतिज आरक्षण और चिन्हीकरण के लंबित प्रकरणों के निस्तारण की माँग को लेकर जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन के क्रम में धरना उनीसवें दिन और क्रमिक अनशन नोवें दिन भी जारी रहा।

क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में ऋषिकेश से रेनू नेगी,सरोजनी थपलियाल,शेर सिंह रावत, शिव राज सिंह रावत आदि थे। धरने पर पहुंचे काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा ने 10 % क्षैतिज आरक्षण के राज्यपाल के यहाँ से पास होने की बधाई देते हुए इसका श्रेय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह को देते हुए कहा कि वह पहले दिन ही इस मामले में गंभीर थे मगर इसमें जो देरी हुई है उसके लिये वह माफ़ी मांगते हैं ।

चिन्हीकरण के मामले में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में भी वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।इसके बाद उन्होंने सँयुक्त मंच के साथियों को आग्रह किया कि आज रक्षा-बंधन का शुभ अवसर है सभी की बहनें आज आप लोगों का घर में इंतजार कर रही होंगी, आप लोगों की एक जरूरी माँग पूरी हो चुकी है दूसरी पर भी बात करते हैं। जिस पर धरने पर बैठे आंदोलनकारियों ने आपस में विचार कर उनकी बात पर सहमति जताते हुए धरने की समाप्ति की घोषणा कर दी। इसके बाद सयुंक्त मंच के संयोजक क्रांति कुकरेती ने समर्थन में आये सभी साथियों का आभार प्रकट करते हुऐ 2-4 दिन में भविष्य के लिये आंदोलनकारियों की एक प्रदेश स्तरीय समिति बनाने की बात कही जिस डीएवी के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पोखरियाल ने भी हामी भरी। आज धरने पर ओमी उनियाल,वीरेन्द्र पोखरियाल,विजयेश नवानी, विनय उनियाल,हरदीप सिंह,विजय प्रताप मल्ल, आशीष उनियाल,राजेश नेगी,जगदीश चौहान, क्रांति अभिषेक, सुधीर नारायण शर्मा,विकास रावत,खुशपाल सिंह परमार,जगदीश पन्त, अम्बुज शर्मा,शांति प्रसाद भट्ट, नत्थी सिंह रावत, शिवराज सिंह रावत, सुनीता ठाकुर,बाल गोविंद डोभाल, यशवंत सिंह रावत, जगमोहन रावत, रामकिशन, शैलेश सेमवाल, माया डिमरी, नरेंद्र ध्यानी, सुधीर नारायण शर्मा, दुर्गा बहादुर क्षेत्री, हरीश पाठक आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम कोश्यारी से मिले बेरोजगार

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर उत्तराखंड बेरोजगार संघ का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पूर्व सीएम व महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिला। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने की मांग की। संघ के उपाध्यक्ष राम कंडवाल और प्रवक्ता सुरेश सिंह ने उन्हें बताया कि 30 जुलाई को सीएम आवास कूच के दौरान उन्हें सीएम से वार्ता का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक मुलाकात नहीं हो पायी। कहा कि लगातार सरकार युवाओं व बेरोजगारों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने मांगें पूरी ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी ने आश्वासन दिया कि वे इस मामले में सीएम से बात करेंगे।

मैदानों में बढ़ती, पहाड़ों में घटती आबादी से असंतुलनः रावत

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में सोमवार हिमालयी विकास या हिमालयी आपदा? विषय मंथन हुआ। इसमें पर्यावरण प्रेमियों, लेखकों ने प्रतिभाग किया। सामाजिक चिंतक और लेखक विद्या भूषण रावत ने स्लाइड चित्रों के माध्यम से हिमालय की संवेदनशीलता, यहां हो रहे अनियंत्रित विकास को रेखांकित किया। उन्होंने एक दशक में केदारनाथ, रैणी-तपोवन, जोशीमठ जैसी आपदाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड न केवल अपने भूगोल, बल्कि अपनी पहचान से जुड़े गंभीर संकट से भी जूझ रहा है। उन्होंने बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य, अनियंत्रित पर्यटन, वन क्षेत्रों में रिसॉर्ट, होटलों को पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि तराई और मैदानी इलाकों में बेतहाशा आबादी बढ़ने, हिमालयी क्षेत्रों में आबादी कम होने से असंतुलन पैदा हो रहा है। मौके पर दयानंद अरोड़ा, प्रवीन कुमार भट्ट, जितेंद्र भारती, बिजू नेगी, प्रो. राजेश पाल, सुरेंद्र एस सजवान, चंद्रशेखर तिवारी, निकोलस, सुंदर सिंह बिष्ट आदि मौजूद थे।

स्वास्थ्य सचिव और एसएसपी ने महिला डॉक्टरों से किया सुरक्षा का वादा

देहरादून। देहरादून में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार की ओर से रक्षाबंधन पर महिला डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए दून अस्पताल में राखी बंधन कार्यक्रम का आयोजन कर मिसाल पेश की। वहीं, एसएसपी अजय सिंह भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। कोलकाता कांड के बाद डॉक्टरों के आक्रोश के बीच यह एक अहम कदम माना जा रहा है। एसआर डॉ. योगेश्वरी, पीजी डॉ. कंचन समेत महिला डॉक्टरों ने सुरक्षा का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। सचिव ने अस्पतालों में महिला सुरक्षा को नई एसओपी जारी करने की बात कही। इस दौरान निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना, प्राचार्य डॉ. गीता जैन, एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल, डॉ. एमके पंत, डॉ. एनएस बिष्ट, डॉ. अनिल जोशी, डॉ. अतुल कुमार सिंह, डॉ. नितिन शर्मा, डॉ. शिव यादव, डॉ. अंकुर पांडेय, डॉ. अमित अरुण, डॉ. योगेश्वरी कृष्णन, सीपीआरओ महेंद्र भंडारी, ओपीडी समन्वयक विनोद नैनवाल, सुरक्षा इंचार्ज भरत नकोटी आदि मौजूद रहे। उधर, एसएसपी अजय सिंह ने इमरजेंसी में 24 घंटे चौकी चलाने एवं आठ पुलिस जवान तैनात करने की बात कही। वहीं, पीजी डॉक्टरों ने सोमवार को अपना कार्य बहिष्कार जारी रखा और सुरक्षा व्यवस्था ठीक करने की मांग उठाई। इस दौरान डॉ. आमिर खान, डॉ. आशुतोष, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. कंचन, डॉ. प्रशांत, डॉ. रहनुमा, डॉ. नितेश, डॉ. सायमा, डॉ. बबीता, डॉ. हेमंत, डॉ. दिव्या, डॉ. मानसी आदि रहे।

महिला पुलिस कर्मचारियों ने मंत्री जोशी को बांधी राखी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के आवास पर सोमवार को रक्षाबंधन के मौके पर महिला पुलिस कर्मियों ने मंत्री जोशी को राखी बांधी। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें तिलक लगाया और उन्हें मिठाई खिलाई। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने महिला पुलिस कर्मियों को उपहार भी भेंट किए। मंत्री जोशी ने ने कहा कि मैं पिछले 19 वर्षों से राखी का कार्यक्रम करवाता हूँ किन्तु इस वर्ष भतीजे के देहांत होने के कारण रक्षाबंधन उत्सव आयोजित नहीं हो सका। आवास पर पहुंची महिला पुलिस कर्मियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस आदर, सम्मान और स्नेह से उन्होंने मुझे राखी बांधी हैं, मैं एक भाई और जनसेवक होने के नाते उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। जोशी को चमोली और बागेश्वर के दूरस्थ क्षेत्र की देहरादून में तैनात महिला पुलिस कर्मियों ने राखी बांधी। इस मौके पर भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी भी उपस्थित रहीं।

25 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय समागम

अल्मोड़ा। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महा परिषद की बैठक में उपस्थित 19 प्रदेशों के कोर कमेटी के सदस्यों की चली बैठक में देश की वर्तमान परिस्थितियों एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की भूमिका पर चर्चा हुई। प्रहलाद प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय महासचिव कुमार पटेल द्वारा देश के सभी प्रदेशों के प्रतिनिधियों से आगामी 25 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हरिद्वार में राष्ट्रीय समागम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य एवं उत्तराखंड प्रकोष्ठ के महामंत्री अवधेश पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे देश के सेनानी परिवारों में कार्यक्रम के लिए काफी उत्साह दिखाई दे रहा है अब तक देश के कोने-कोने से लगभग 200 प्रतिनिधियों की आने की सूचना प्राप्त हो चुकी है। यहां बताते चलें कि उक्त राष्ट्रीय समागम में देश की वर्तमान परिस्थितियों और उसमें स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की भूमिका पर चर्चा के साथ स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के गठन हेतु सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सोंग नदी में फंसे दो लोगों को एसडीआरएफ ने बचाया

देहरादून। रायपुर में दो सौ बीघा कॉलोनी के पीछे सौंग नदी में सोमवार सुबह अचानक तेज हुए बहाव में दो मजदूर फंस गए। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसडीआरएफ ने रस्सों के सहारे तेजी से रेस्क्यू कर दोनों मजदूरों को नदी से सुरक्षित बाहर निकाला। रायपुर थानाध्यक्ष प्रदीप नेगी ने बताया कि विधायक उमेश शर्मा ने सोमवार सुबह सूचना दी। बताया कि दो सौ बीघा में ओएसिस स्कूल के पीछे सोंग नदी में अचानक अधिक पानी आने से दो मजदूर फंस गए हैं। सूचना पर वह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ को बुलाया। नदी में तेजी से पानी का बहाव बढ़ रहा था। एसडीआरएफ टीम दरोगा सुरेंद्र सिंह नेतृत्व में मौके पर पहुंची। तेजी से रस्सी डालकर दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। इनकी पहचान नीतीश कुमार उम्र बीस वर्ष निवासी भेरखीयां थाना इकरा जिला पूर्वी चंपारण और पिंकू यादव उम्र 23 वर्ष निवासी बरेठा थाना बनियापुर जिला सारंग बिहार के रूप में हुई। दोनों सोमवार सुबह नदी किनारे बाढ़ सुरक्षा कार्य में मजदूरी कर रहे थे। इस दौरान घूमने के लिए नदी में गए, तभी अचानक बहाव बढ़ गया था।

सीपीडब्ल्यूडी इंजीनियर के घर लाखों की चोरी में सपेरा जनजाति के दो चोर गिरफ्तार

देहरादून। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) इंजीनियर के घर 16 अगस्त की रात हुई लाखों की चोरी का नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने पंजाब निवासी घुमंतू सपेरा प्रजाति के दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों से चोरी किए गए करीब 41 लाख रुपये के गहने और विदेशी डॉलर बरामद किए गए हैं। सीपीडब्ल्यूडी के रिटायर इंजीनियर सुरेंद्र सिंह गुसाईं अजबपुरकलां के कुमार गली में रहते हैं। 16 अगस्त की रात वह पत्नी संग घर में सोए थे। रात को उनके घर में चोर घुसे। चोरों ने सुरेंद्र सिंह जिस कमरे में सोए थे, उसकी कुंडी बाहर से बंद कर दी। इसके बाद घर से लाखों के गहने, विदेश डॉलर और कुछ अन्य कीमत सामान चुराकर ले गए। 17 अगस्त को मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान पाया कि पीड़ित का घर रेलवे ट्रैक के नजदीक है। ऐसे में चोरी बाहरी राज्य के चोर होने का अंदेशा हुआ। पुलिस ने मोथरोवाला स्थित सपेरा बस्ती में जाकर पूछताछ की। इस दौरान पता लगा कि 10-12 दिन पहले कुछ बाहरी युवक यहां देखे गए थे। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। रविवार रात दूधली रोड से 20 वर्षीय सौरभ पुत्र ठंडू और 22 वर्षीय मंदीप पुत्र चंडू दोनों निवासी मोहननगर थाना खेमकरन, जिला तरनतारन पंजाब को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से चोरी किए गए करीब 41 लाख रुपये के गहने, 100 अमेरिकी डॉलर, 100 कैनेडियन डॉलर, वारदात में लॉकर तोड़ने में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए।

बैडमिंटन में इकोल ग्लोबल स्कूल ओवरऑल चैंपियन

देहरादून। सरदार प्रीतम सिंह मेमोरियल इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप में इकोल ग्लोबल गर्ल्स स्कूल ओवरऑल चैंपियन रहा। इकोल ग्लोबल स्कूल में रविवार को प्रतियोगिता खेली गई। दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रॉमिसिंग स्कूल अवाड्र्स में वेंटैज हॉल विजेता, शिगली हिल इंटरनेशनल अकादमी उपविजेता, यूनिवर्सल अकादमी द्वितीय उपविजेता रहे। इसी प्रकार ओवर ऑल चैंपियनशिप में यूनिसन वर्ल्ड स्कूल रनर अप, वायन बर्ग एलन स्कूल द्वितीय रनरअप रहे। अंडर 13 आयुवर्ग में आराध्या शर्मा, अंडर 15 में विविशा, अंडर 17 में तेजस्विनी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुकी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी। मुख्य अतिथि अर्वाचिन भारती भवन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया।